सुविचार

नफरत को हजार मौके दो कि वो प्रेम में परिवर्तित हो जाए, लेकिन प्रेम को एक भी मौका मत दो, कि वो नफरत में बदल जाए।

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

दीप्ति शर्मा के 5 विकेट, मंधाना की तूफानी पारी; भारत ने पाकिस्तान को चटाई धूल...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 164 | दिनांक : सोमवार, 15 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्कः | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

नीस में 'भारत इनोवेट्स' का शुभारंभ, भारत-फ्रांस नवाचार साझेदारी को नई गति

भारत की प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच सेतु बनेगा भारत इनोवेट्स : मोदी

■ भारत अब समाधान का उपभोक्ता नहीं, वैश्विक प्रौद्योगिकी प्रदाता बन रहा : प्रधानमंत्री

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली/नीस

14 जून (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 'भारत इनोवेट्स' मंच भारतीय प्रतिभा और यूरोपीय पूंजी के बीच सेतु का कार्य करेगा तथा देश के नवाचारों को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी का भारत नवाचार और स्टार्टअप क्रांति के बल पर दुनिया के लिए समाधान प्रस्तुत करने वाला देश बनकर उभर रहा है। फ्रांस के शहर नीस में आयोजित 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इम्मानुल मैक्रोन के साथ संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम से पहले उन्होंने प्रमुख निवेशकों और वेंचर कैपिटल प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया के देश व्यापार और रणनीतिक साझेदारियां करते हैं, लेकिन कुछ रिश्ते साझा हितों से आगे बढ़कर विश्वास, साझा मूल्यों और दीर्घकालिक दृष्टि पर आधारित होते हैं। भारत और फ्रांस के संबंध इसी श्रेणी में आते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच जुड़ाव, नवाचार, प्रेरणा, साझा दृष्टिकोण और आपसी भरोसा उनकी साझेदारी की सबसे बड़ी ताकत है।

मोदी ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत और फ्रांस ने अनेक नई पहलों की शुरुआत की है और 'भारत इनोवेट्स' उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मंच भारतीय युवाओं को यूरोपीय विशेषज्ञता और निवेश से जोड़ने के साथ उनके नवाचारों को वैश्विक अवसर प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में स्टार्टअप संस्कृति तेजी से विकसित हो रही है और देश का युवा मानवता की चुनौतियों के समाधान खोजने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ युवा उद्यमी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से ग्रामीण भारत में बदलाव ला रहे हैं, जबकि कई स्टार्टअप उपग्रह तकनीक का उपयोग कर किसानों की सहायता कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य ऐसी तकनीक विकसित करना है जो मानवता की सेवा करे। आज भारत केवल समाधान का उपभोक्ता नहीं, बल्कि समाधान और प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराने वाला देश बन रहा है। प्रधानमंत्री ने युवा उद्यमियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके आत्मविश्वास, ऊर्जा और नवाचार में नए भारत की झलक दिखाई देती है, जो विश्व स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस पहुंचे, एयरपोर्ट से होटल तक जोरदार स्वागत

नीस (एजेंसी)- पीएम मोदी फ्रांस और स्लोवाकिया की अपनी पांच दिन की यात्रा के पहले चरण में नीस पहुंचे हैं। नीस कोटे दा अजूर हवाई अड्डे पर फ्रांस के शिक्षा मंत्री एडुआर्ड गेफ्रे, उच्च शिक्षा, अनुसंधान और अंतरिक्ष मंत्री फिलिप बैप्टिस्ट, भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी माथू, नीस के महापौर एरिक सिओटी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, नीस पहुंच गया हूं। फ्रांस की इस यात्रा में नीस के अलावा एवियन और पेरिस में भी कार्यक्रम होंगे। इसमें द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकें होंगी, जिनका मकसद विकास के अहम साझेदारों के साथ भारत की दोस्ती को और मजबूत करना है। उन्होंने कहा, मैं कल फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से मिलने और भारत इनोवेट्सकार्यक्रम में शामिल होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं।

संक्षिप्त न्यूज

NEET-UG 2026 री-एग्जाम के लिए एडमिट कार्ड जारी, 21 जून को होगी परीक्षा

नई दिल्ली (ब्यूरो)- राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) ने NEET-UG 2026 की 21 जून को आयोजित होने वाली पुनर्परीक्षा (री-एग्जाम) के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। री-एग्जाम में शामिल होने वाले उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। एडमिट कार्ड प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थियों को वेबसाइट पर उपलब्ध 'एडमिट कार्ड फॉर NEET (UG)-2026 पुनर्परीक्षा' लिंक पर क्लिक करना होगा। इसके बाद आवेदन संख्या, पासवर्ड और कैप्चा कोड दर्ज कर लॉगिन करने पर प्रवेश पत्र डाउनलोड किया जा सकेगा।

एनटीए ने परीक्षा से संबंधित कुछ विशेष सुविधाएं भी प्रदान की हैं। अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्र हल करने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। साथ ही रफ वर्क के लिए चार अतिरिक्त पृष्ठ उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उम्मीदवारों को गणना और नोट्स बनाने में सुविधा मिलेगी। इसके अलावा फीस रिफंड प्रक्रिया के तहत बैंक खाते की जानकारी में सुधार का अवसर भी दिया गया है। एनटीए ने उम्मीदवारों को समय रहते एडमिट कार्ड डाउनलोड कर परीक्षा केंद्र की जानकारी जांचने की सलाह दी है।

मंडी में चार नई सुरंगों को मिली मंजूरी

कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर मानसून में भी नहीं रुकेगा यातायात

मंडी (एएम नाथ)- कीरतपुर-मनाली फोरलेन पर सफर करने वाले वाहन चालकों और स्थानीय जनता के लिए राहत की खबर है। मंडी के अत्यधिक संवेदनशील माने जाने वाले चार व नौ मील क्षेत्र में चार नई यातायात सुरंगों के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। प्रदेश सरकार की प्रोजेक्ट स्क्रीनिंग कमेटी (पीएससी) ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस मंजूरी के बाद अब वनमंडल अधिकारी के माध्यम से मामला केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्रालय को फारेस्ट क्लीयरेंस के लिए भेजा जा रहा है।

मानसून के दौरान चार और नौ मील का यह हिस्सा प्रशासन और एनएचएआइ के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बना रहता है। जरा सी वर्षा होते ही यहां पहाड़ी दरकने और भारी भूस्खलन के कारण मार्ग घंटों और कभी-कभी कई दिन तक बंद रहता है। सुरंगों के निर्माण से इस समस्या का स्थायी समाधान हो जाएगा। एनएचएआइ द्वारा तैयार की गई विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के अनुसार, इस पूरे संकरे और संवेदनशील हिस्से को बाईपास करने के लिए चार सुरंगों का निर्माण किया जाएगा। ये सुरंग भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों को बाईपास करेंगी। दो सुरंगों की लंबाई 781-781 मीटर होगी जो शुरुआती संवेदनशील पैच को पार करेंगी। मुख्य पहाड़ी के नीचे से गुजरने वाली दो सुरंगों की लंबाई 2000-2000 मीटर (दो-दो किलोमीटर) होगी। ये सुरंगें आधुनिक सुरक्षा मानकों और वेंटिलेशन सिस्टम से लैस होंगी, जिससे फोरलेन पर चलने वाले वाहनों की रफ्तार को ब्रेक नहीं लगेगा।

तो मानसून में नहीं थमेगा यातायात - मानसून में थमने वाले पहियों को रफ्तार मिलेगी। अब यात्रियों को न तो गिरते पत्थरों का खौफ सताएगा और न ही घंटों लंबे यातायात जाम में जूझना पड़ेगा। सामरिक और पर्यटन की दृष्टि से भी इस मार्ग का निर्बाध चलना जरूरी है।

इंडियन आर्मी की वर्दी में बड़ा बदलाव, औपनिवेशिक दौर की कई परंपराएं खत्म

आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026 लागू, 'रॉयल' जैसी शब्दावली और पुरानी परंपराओं को अलविदा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली

14 जून (एएम नाथ)

भारतीय सेना ने औपनिवेशिक दौर की बची-खुची परंपराओं को समाप्त करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए अपनी वर्दी और ड्रेस संबंधी नियमों में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। हाल ही में जारी 174 पृष्ठों के 'आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026' मैनुअल में इन संशोधनों का उल्लेख किया गया है। सेना के अनुसार, बदलाव देश की बदलती पहचान और भारतीय मूल्यों के अनुरूप किए गए हैं।

नए नियमों के तहत औपचारिक अवसरों पर अधिकारियों को बंद-गले वाली 'बंदी जैकेट' पहनने की अनुमति दी गई है। वहीं, परेड के दौरान रिव्यूइंग अधिकारियों के लिए तलवार साथ रखना अब अनिवार्य नहीं रहेगा। इसके अलावा 'मेस ड्रेस नंबर-5' और 'नंबर-6' से सेरेमोनियल पाउच बेल्ट को हटा दिया गया है, हालांकि कुछ विशेष रेजिमेंटों और कोर के कार्यक्रमों में इसका उपयोग जारी रहेगा। मैनुअल में सभी रैंकों के लिए नई सर्दियों की वर्दी '3बी' भी शामिल की गई है, जिसमें अंगोला शर्ट, बैटल जैकेट और बेरेट का प्रावधान है। सेना ने ग्रूमिंग और व्यक्तिगत प्रस्तुति से जुड़े नियमों को भी स्पष्ट किया है। टैटू, बॉडी पियर्सिंग और यूनिफॉर्म के साथ ब्रेसलेट पहनने पर रोक बरकरार रहेगी। मूंछों की लंबाई 12 सेंटीमीटर से अधिक नहीं हो सकती। यूनिफॉर्म में डिओडोरेंट और परफ्यूम के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी, जबकि आफ्टर-शेव लोशन लगाया जा सकेगा।

महिला अधिकारियों के लिए सादे रंगों की साड़ी या दुपट्टे के साथ कुर्ता-सलवार और सीधी पैंट पहनने का प्रावधान रखा गया है। बिना आस्तीन वाले कुर्ते, पलाजो और सिगरेट पैंट जैसे परिधानों पर रोक लगाई गई है।

सेना ने 'रॉयल' जैसे औपनिवेशिक शब्दों को भी हटाने का फैसला किया है। अधिकारियों के अनुसार, यह कदम भारतीय सेना की परंपराओं को बनाए रखते हुए उन्हें अधिक भारतीय स्वरूप देने की दिशा में उठाया गया है।

अमेरिका में क्रैश हुआ विमान, हादसे में 12 लोगों की मौत

» प्रथम न्यूज । वाशिंगटन

14 जून (एजेंसी)

अमेरिका के मिसौरी के एक एयरपोर्ट के पास स्काईडाइविंग करने वाले विमान के क्रैश होने से उसमें सवार सभी 12 लोगों की मौत हो गई है। न्यूज एजेंसी,क्क ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रविवार सुबह करीब 11:30 बजे हुई। यह दुर्घटना कैनसास सिटी से लगभग 65 मील दक्षिण में बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट के पास हुआ। मिसौरी हाईवे पेट्रोल के सार्जेंट जस्टिन इविंग ने,क्क को बताया कि 911 पर आग की लपटों में घिरे एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिलने के बाद स्र्स।क्क, बटलर पुलिस विभाग और बेट्स काउंटी शेरिफ कार्यालय समेत कई एजेंसियां घटनास्थल पर मौजूद हैं। इविंग ने घटनास्थल को भयावह बताया और कहा कि विमान एयरपोर्ट के पास एक खेत में गिरा। उन्होंने बताया कि बचाव कर्मियों ने आग बुझा दी है और जांच जारी रहने तक इलाके की सड़कें बंद रहेंगी। मृतकों की पहचान और दुर्घटना के कारण के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

एयरपोर्ट के कार्यवाहक मैनेजर और बेट्स काउंटी इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी के डायरेक्टर डेनिस जैकब्स ने बताया कि प्राइवेट प्लेन को स्काईडाइव कैनसस सिटी ऑपरेट कर रहा था। जैकब्स ने कहा कि क्रैश होने से ठीक पहले इसने उड़ान भरी थी और बाईं ओर मुड़ा था। मुझे लगता है कि इसकी पावर कम हो रही थी और पायलट इसे हाईवे तक ले जाकर लैंड करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन प्लेन स्टॉल हो गया और उसका अगला हिस्सा नीचे की ओर झुक गया, जिससे उसमें आग लग गई।

अमृतसर में मनोहर लाल खट्टर का बड़ा बयान

पंजाब में कमल खिलाने का लक्ष्य

» प्रथम न्यूज । अमृतसर

14 जून (साहब दयाल)

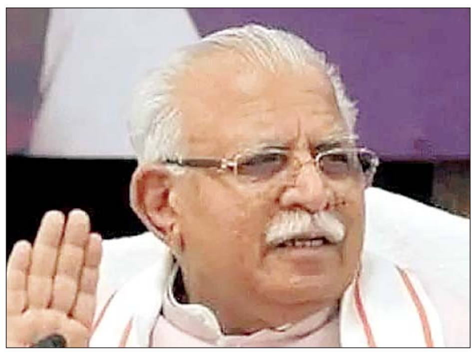

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर अमृतसर पहुंचे। यहां उन्होंने भाजपा के सफल 12 साल की उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी और कहा कि 11 जून को नरेन्द्र सबसे लंबे कार्यकाल वाले प्रधानमंत्री बन गए है। उनके दूरदर्शी सोच के कारण आज देश के 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है।

हाल ही में पश्चिम बंगाल जीता है और अब अगला लक्ष्य पंजाब में कमल खिलाना है। पंजाब में अकाली-भाजपा के दोबारा गठबंधन के सवाल पर खट्टर ने कहा कि यह पालिसी मैटर है। इसका फैसला केंद्रीय नेतृत्व ने लेना है। यह भी कहा कि ऐसा नहीं कि भाजपा अकेले 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी तो पीछे रह जाएगी। हरियाणा में भाजपा ने 2014 के चुनाव में अकेले लड़कर बहुमत प्राप्त किया।

खट्टर ने कहा कि भाजपा की धारणा रही है कि जिस राज्य में एक बार उसकी सरकार बन गई, उसके बाद वहां से कभी नहीं हारी। मिसाल के तौर पर 2014 के बाद हरियाणा में लगातार भाजपा की सरकार बनती आई है। उन्होंने पंजाब-हरियाणा में नाखून-मांस का रिश्ता होने की बात करते हुए कहा कि पंजाब की जनता भी इसे नजदीक से देख रही है।

वर्तमान में हरियाणा, पंजाब की तुलना में काफी प्रगति कर रहा है। वर्ष 1967 में हरियाणा का बजट पंजाब की तुलना में 40 प्रतिशत था, जोकि वर्तमान में 85 प्रतिशत हो गया है। यदि पंजाब ने खुद को नहीं संभाला तो हरियाणा का बजट पंजाब से बढ़ जाएगा।

उन्होंने पंजाब में अमन-कानून की स्थिति बिगड़ने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि सरकार असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाने में असफल है। पंजाब में ग्रेनेड हमलों के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराने के बारे में सवाल पर उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए यह झूठे आरोप लगा रही है।

ईडी की कार्रवाई पर उन्होंने कहा कि जो गलत काम करेगा, उस पर ईडी और सीबीआइ की रेड तो पड़ेगी ही। भगवंत मान को फिर से मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पंजाब में और कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है, लेकिन भगवंत मान नहीं। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष श्वेत मलिक, जिलाध्यक्ष हरविंदर सिंह संधू, पंजाब प्रदेश व्यापार मंडल के अमृतसर यूनिट के अध्यक्ष सुरिंदर दुग्गल आदि उपस्थित थे।

मोहाली में मेगा रोड शो, केजरीवाल-मान ने नगर निगम जीत पर जनता का जताया आभार

पंजाब में विकास की रफ्तार जारी रखने के लिए फिर बहुमत देने की अपील

» प्रथम न्यूज । मोहाली

14 जून (एएम नाथ)

नगर निगम चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) की शानदार जीत के बाद पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को मोहाली में मेगा रोड शो और विशाल जनसभा को संबोधित किया। दोनों नेताओं ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए पंजाब में चल रहे विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए समर्थन बनाए रखने की अपील की।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि नगर निगम चुनावों में मिली जीत जनता द्वारा सरकार के कामकाज पर लगाई गई मुहर है। उन्होंने दावा किया कि पिछले साढ़े चार वर्षों में राज्य में मुफ्त बिजली, आम आदमी क्लीनिक, स्वास्थ्य बीमा, सड़क निर्माण और किसानों के लिए बेहतर बिजली आपूर्ति जैसे कई जनहितकारी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब को विकास के रास्ते पर बनाए रखने के लिए भगवंत मान को दोबारा मुख्यमंत्री बनाना जरूरी है।

केजरीवाल ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उनके शासनकाल में पंजाब नशे और अव्यवस्था की ओर बढ़ रहा था, जबकि मौजूदा सरकार ने राज्य को नई दिशा दी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और मोहल्लों में जाकर सरकार की उपलब्धियों का प्रचार करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मोहाली के नए मेयर सरबजीत सिंह को बधाई देते हुए कहा कि जनता का प्यार उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों, महिलाओं और आम लोगों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। मान ने बताया कि सिंचाई व्यवस्था में सुधार, मुफ्त बिजली, स्वास्थ्य सुरक्षा और महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता जैसी योजनाओं से लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in

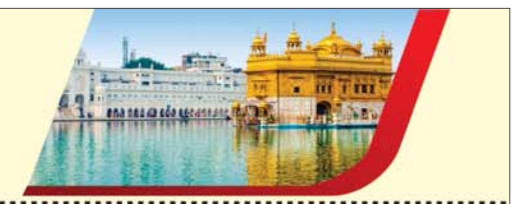

संक्षिप्त न्यूज

शानदार नतीजे हासिल करने वाले खालसा कॉलेज माहिलपुर के एमएससी (आईटी) कोर्स के विद्यार्थी सम्मानित

होशियारपुर / माहिलपुर (तरसेम दीवाना) – पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ द्वारा घोषित नतीजों में यहाँ के श्री गुरु गोबिंद सिंह खालसा कॉलेज माहिलपुर के कंप्यूटर विभाग में चलते कोर्स एमएससी (आईटी) के चौथे सेमेस्टर के नतीजे में विद्यार्थीङ्घ मनजोत सैनी ने 90 फीसदी अंक प्राप्त करके पंजाब यूनिवर्सिटी की मेरिट सूची में से दूसरा स्थान प्राप्त करके संस्था का नाम रोशन किया।

इस मौके पर करवाए सम्मान समारोह में विद्यार्थीण मनजोत सिंह सैनी को सिख एजुकेशनल कौंसिल के खजांची वीरेंद्र शर्मा, खेल प्रमोटर प्रिंसिपल जगमोहन सिंह, कॉलेज के प्रिंसिपल डा. परविंदर सिंह, कंप्यूटर विभाग की प्रमुख प्रो. गुरप्रीत कौर और स्टाफ द्वारा विशेष तौर पर सम्मानित किया गया और इसी कोर्स में कॉलेज स्तर पर दूसरे और तीसरे स्थान पर आए विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर श्री वीरइंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को इस नतीजे के लिए मुबारकबाद दी।

इस मौके पर बात करते हुए कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर परविंदर सिंह और कंप्यूटर विभाग की प्रमुख प्रो. गुरप्रीत कौर ने बताया कि मनजोत सैनी ने 90 फीसदी अंकों के साथ यूनिवर्सिटी की मेरिट सूची में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि सिमरन ने 84 फीसदी अंकों के साथ कॉलेज में से दूसरा और नम्रिता ने 83.9 फीसदी अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। सम्मान के मौके पर विद्यार्थियों को सम्मान चिह्न और पुस्तकों के सेट प्रदान किए गए।

इस दौरान प्रिंसिपल सहित कंप्यूटर विभाग के समूह अध्यापकों और हाजिर स्टाफ मेंबर्स ने इन विद्यार्थियों को शानदार नतीजे के लिए शुभकामनाएँ दीं।

पुलिस ने 10 ग्राम हेरोइन के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – थाना बहरामपुर के अंतर्गत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शेखर नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 ग्राम हेरोइन बरामद की है। इस संबंध में आरोपी के खिलाफ थाना बहरामपुर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 (बी)-61-85 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए आदित्य, एसएसपी गुरदासपुर ने आम जनता और निवासियों से अपील की है कि वे अवैध या नशीले पदार्थों का कारोबार करने वाले असामाजिक तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अवैध और नशे के कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी ने दोहराया कि गुरदासपुर जिला पुलिस नशे के कारोबार को जड़ से खत्म करने और असामाजिक तत्वों को काबू करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

डेरा बाबा नानक में नशामुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष डॉ. अर्शदीप सिंह ने नशामुक्त टीम के साथ की बैठक

गुरदासपुर (संदीप सन्नी) – हलका डेरा बाबा नानक में नशामुक्त मोर्चा के जिला अध्यक्ष डॉ. अर्शदीप सिंह द्वारा नशामुक्त टीम के साथ एक विशेष बैठक की गई और उन्हें पार्टी की ओर से जारी आई-कार्ड सौंपे गए।

इस अवसर पर बात करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ. अर्शदीप सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार नशे को खत्म करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा शुरू किए गए अभियान के तहत लोगों को नशे के बुरे प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है और उन्हें नशों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उन्होंने आगे बताया कि नशे के खिलाफ छेड़े गए इस युद्ध के तहत गांवों और शहरी क्षेत्रों में जाकर लोगों को नशे के खिलाफ एकजुट किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गाँव के पहरेदार बनने के लिए एक नंबर 98991-00002 जारी किया गया है, जिस पर मिस्ड कॉल देकर लोग अपना पंजीकरण करा सकते हैं। इस नंबर पर मिस्ड कॉल देकर कोई भी नागरिक नशा तस्करों के खिलाफ चल रहे इस अभियान में शामिल हो सकता है।

डॉ. अर्शदीप सिंह ने यह भी बताया कि पंजाब सरकार द्वारा नशामुक्त हो रहे युवाओं को सही दिशा में मोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम भी चलाए जा रहे हैं।

विश्व रक्तदाता दिवस पर पहल ने मनाए सेवा के 30 वर्ष

जालंधर के रेड क्रॉस भवन में वॉलंटरी ब्लड डोनेशन कैंप लगाया, ब्लड रक्तदान दौरान 65 यूनिट रक्त एकत्रित

» प्रथम न्यूज । जालंधर

14 जून (शैली अल्बर्ट)

युवा कार्यकर्ता संस्था पहल ने अपनी स्थापना के 30 वर्ष (1996ङ्ग2026) पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला रेड क्रॉस सोसायटी, जालंधर तथा सिविल अस्पताल जालंधर की ब्लड बैंक टीम के सहयोग से रेड क्रॉस भवन, जालंधर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस अवसर पर स्वैच्छिक रक्तदाताओं तथा रक्तदान के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं को सम्मानित भी किया गया।

यह दिन पहल के संस्थापक प्रो. लखबीर सिंह की जयंती के रूप में भी मनाया गया। इस अवसर पर उनके जीवन, विचारों तथा समाज सेवा के प्रति समर्पण को याद किया गया। प्रो. लखबीर सिंह की दूरदर्शी सोच और सामाजिक परिवर्तन के लिए किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप ही पहल संस्था की स्थापना हुई थी।

पहल की अध्यक्ष श्रीमती हरविंदर कौर ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करती हैं तथा समाज में सेवा भावना को मजबूत बनाती हैं। इस अवसर पर सिविल अस्पताल जालंधर की ब्लड बैंक टीम द्वारा 65 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

नियमित रक्तदाताओं में श्रीमती हरविंदर कौर ने अपना 70वाँ रक्तदान किया। इसके अतिरिक्त पहल के कार्यकारी सदस्य लियाकतबीर सिंह, बागेश्वर सिंह, अमित कुमार, बिपिन सुमन तथा अन्य अनेक स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने भी रक्तदान किया।

पहल के कार्यकारी सदस्य लियाकतबीर सिंह ने संस्था के विज़न पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और संचार चार महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और पहल अपनी स्थापना से ही इन क्षेत्रों में कार्य कर रही है।

कार्यक्रम में पिछले 30 वर्षों से पहल से जुड़े सैकड़ों साथियों, समाजसेवियों और वर्तमान युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया। उमंग स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जबकि पहल द्वारा संचालित स्किन एंड हेयर केयर प्रशिक्षण केंद्र की छात्राओं ने एक लघु नाटिका प्रस्तुत की। इस अवसर पर जिला रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव श्री सुरजीत लाल, डॉ. कुसुम ठाकुर (बीटीओ, फोर्टिस अस्पताल), डॉ. रुपिंदर कौर (सिविल अस्पताल), श्रीमती रितु कोछड़ (प्राणिक हीलर) सहित संत निरंकारी मंडल, आगाज़ सोसायटी, दिशादीप सोसायटी तथा माई एफएम की टीम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को कॉस्मो हुंडई, जिला रेड क्रॉस सोसायटी जालंधर तथा वेरका का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। पहल समिति की ओर से श्री जतिंदर पाल सिंह, श्री अमित कुमार, श्री गुरमिंदर सिंह, श्री दीपक पाहवा, श्री राम गोपाल, एडवोकेट नवजोत कौर, श्री सुखविंदर सिंह तथा पहल का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। रक्तदाताओं को रिफ्रेशमेंट और जूट बैग देकर सम्मानित किया गया। अतिथियों एवं सहयोगी संस्थाओं को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए तथा सभी उपस्थित लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई। यह कार्यक्रम पहल के 30 वर्षों के सेवा सफर का उत्सव मनाने के साथ-साथ स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व को रेखांकित करने और समाज सेवा के लिए लोगों को प्रेरित करने के उद्देश्य से समर्पित रहा।

रेवरेंड परंज्योति संडेला को चर्च ऑफ़ नॉर्थ इंडिया (CNI) नागपुर डायोसीज़ के 13वें बिशप बने

जालंधर/दिल्ली 13, जून (शैली अल्बर्ट) – Rt. Revd. परंज्योति सैंडेला को डायोसीज़ ऑफ़ नागपुर के 13वें बिशप के तौर पर अभिषेक किया गया, रविवार, 14 जून 2026 को, चर्च ऑफ़ नॉर्थ इंडिया (CNI) डायोसीज़ ऑफ़ नागपुर के लिए पवित्र अभिषेक सेवा, CNI सिनॉड के मॉडरेटर, मोस्ट रेव्ड डॉ. पारितोष कैनिंग ने कोलकाता के सेंट पॉल कैथेड्रल में आयोजित की। इस धार्मिक समरोह में चर्च ऑफ़ नॉर्थ इंडिया के लगभग सभी बिशप, साथ ही CNI के पूर्व मॉडरेटर समेत दस रिटायर्ड बिशप शामिल हुए। समरिया हैं के Rt. Revd. परंज्योति संडेला का जन्म 1 अगस्त 1966 को हुआ था। उन्होंने 1995 में बैंगलोर के यूनाइटेड थियोलॉजिकल कॉलेज से बैचलर ऑफ डिविनिटी (B.D.) की डिग्री हासिल की। बाद में उन्होंने 2004 में यूनिवर्सिटी ऑफ वेल्स, यूनाइटेड किंगडम के अंतर्गत द एसोसिएशन फॉर थियोलॉजिकल एजुकेशन बाय एक्सटेंशन (TAFTEE) के माध्यम से मास्टर ऑफ थियोलॉजी (M.Th.) पूरा किया।

उन्हें 7 सितंबर 1997 को नागपुर डायोसीज़, चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया में प्रेस्बिटर के रूप में नियुक्त किया गया था। लगभग 29 वर्षों तक, उन्होंने एक प्रेस्बिटर के रूप में विभिन्न क्षमताओं में डायोसीज़ की ईमानदारी से सेवा की है। वह वर्तमान में ऑल सेंट्स कैथेड्रल, नागपुर में सेवा कर रहे हैं।

अपने मंत्रालय के दौरान, उन्होंने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं, जिसमें नागपुर डायोकेसन काउंसिल और नागपुर डायोकेसन ट्रस्ट एसोसिएशन के मानद सचिव के रूप में सेवा करना शामिल है परंज्योति संडेला अपने परिवार में खुशकिस्मत हैं। उनकी शादी श्रीमती कृपा देवी से हुई है, और उनके तीन बच्चे हैं। हम Rt. Revd. परंज्योति संडेला को नागपुर डायोसीज़ के 13वें बिशप के तौर पर उनके अभिषेक और नियुक्ति पर दिल से बधाई देते हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर उन्हें उनकी बिशप मिनिस्ट्री में भरपूर आशीर्वाद दें और गाइड करें क्योंकि वह ज्ञान, विश्वास और लगन के साथ डायोसीज़ को लीड करते हैं।

25 जून से 24 जुलाई तक बीएलओ करेंगे घर-घर जाकर वेरिफिकेशन

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

14 जून (संदीप सन्नी)

गुरसिमरन सिंह ढिल्लों, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (जनरल)-कम-एडिशनल जिला चुनाव अधिकारी, गुरदासपुर ने महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि भारत चुनाव आयोग द्वारा पंजाब राज्य में मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि इस एस.आई.आर. के लिए पात्रता तिथि 1 अक्टूबर 2026 तय की गई है। इस अभियान के तहत तैयारी, स्टाफ की ट्रेनिंग और प्रिंटिंग से जुड़े कार्य 15 जून से 24 जून तक किए जाएंगे, जिसके बाद 25 जून से 24 जुलाई तक सभी बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर (डोर-टू-डोर) मतदाताओं का सत्यापन करेंगे।

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की महत्वपूर्ण तिथियां

-मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन : पोलिंग स्टेशनों की रेशनलाइजेशन का कार्य 24 जुलाई 2026 तक पूरा किया जाएगा।

-ड्राफ्ट प्रकाशन : मतदाता सूची का ड्राफ्ट पब्लिकेशन 31 जुलाई को किया जाएगा।

-दावे और आपत्तियां : मतदाता सूची को लेकर दावे और आपत्तियां 31 जुलाई से 30 अगस्त तक दर्ज कराई जा सकेंगी।

-आपत्तियों का निपटारा : प्राप्त हुए दावों और आपत्तियों के नोटिस फेज व उनके निपटारे की अवधि 31 जुलाई से 28 सितंबर 2026 तक निर्धारित की गई है।

-अंतिम प्रकाशन : सभी संशोधनों के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 1 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा।

लापरवाही न बरतने के कड़े निर्देश : एडिशनल जिला चुनाव अधिकारी ने जिले के सभी चुनाव पंजीकरण अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन की इस पूरी प्रक्रिया और इसकी सभी गतिविधियों को चुनाव आयोग के नियमों व दिशा-निर्देशों के अनुसार समय पर पूरा करना सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बीते दिनी रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि करके सरकार ने गरीबों के जलते चूल्हों में फिर पानी डाल दिया : बेगमपुरा टाईगर फोर्स

अगर महंगाई ऐसे ही आसमान छूती रही तो देश फिर गुलामी की ओर बढ़ेगा : बीरपाल, नेकू, हैप्पी

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर

14 जून (तरसेम दीवाना)

बेगमपुरा टाईगर फोर्स के नेताओं ने कुछ चुनिंदा पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लगातार बढ़ाई जा रही महंगाई की कीमतों ने गरीबों का जीना दुभर कर दिया है। फोर्स के नेताओं ने कहा कि पहले ही डीजल और पेट्रोल की आसमान छूती कीमतों ने आम जनता की कमर तोड़ कर रख दी है और अब बीते दिनों रसोई गैस सिलेंडर की कीमत में 29 रुपये की और वृद्धि करके सरकार ने गरीब लोगों के जलते चूल्हों में पानी डालने का काम किया है।

नेताओं ने कहा कि आज देश का गरीब और मध्यम वर्ग दो वक्त की रोटी से मोहताज होता जा रहा है। एक तरफ सरकारें बड़े-बड़े दावे करती हैं, पर दूसरी

तरफ रसोई गैस जैसी बुनियादी जरूरतों की कीमतें बढ़ाकर गरीबों के सांस सुखा रही हैं। उन्होंने कहा कि 29 रुपये की यह वृद्धि आम लोगों की जेब पर सीधा डाका है।

देश के फिर गुलामी की ओर बढ़ने का अंदेशा

बेगमपुरा टाइगर फोर्स ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि भारत देश में इसी तरह महंगाई आसमान को छूती रही, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत फिर से आर्थिक और मानसिक रूप से गुलाम हो जाएगा। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रही महंगाई देश को अंदर से खोखला कर रही है और कॉर्पोरेट घरानों को फायदा पहुंचाने के लिए आम जनता को बलि का बकरा बना रही है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ाई गई कीमतें तुरंत वापस ली जाएं। साथ ही डीजल और पेट्रोल की कीमतों को भी नियंत्रित करके आम लोगों को राहत दी जाए।

नगर परिषद चुनाव : गुरदासपुर, दीनानगर और कादियां में मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया

गुरदासपुर(संदीप सन्नी) – जिला निर्वाचन अधिकारी-कम-डीसी गुरदासपुर आदित्य उप्पल ने जिले के भीतर नगर परिषद चुनाव की मतदान प्रक्रिया पूरी तरह से अमन-शांति के साथ संपन्न होने पर समूह जिला वासियों का विशेष तौर पर धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि गुरदासपुर, दीनानगर और कादियां में मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस उत्सव में पूरे उत्साह और लगन के साथ भाग लिया है।

समस्त स्टाफ और सुरक्षा बल बधाई के पात्र– जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि समूचे सिविल व पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित सभी पोलिंग स्टाफ के अथक प्रयास और आपसी सहयोग के चलते यह मतदान प्रक्रिया सुचारू और सफलतापूर्वक सिरे चढ़ी है, जिसके लिए चुनाव ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारी और कर्मचारी बधाई के पात्र हैं।

राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों का जताया आभार– इस विशेष अवसर पर डीसी उप्पल ने चुनाव लड़ रहे सभी उम्मीदवारों और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को बहुत ही सुखद, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से मुकम्मल करवाने में राजनीतिक दलों ने जिला प्रशासन को जो सकारात्मक सहयोग दिया है, वह बेहद सराहनीय है।

पेंशनभोगी पंजाब सरकार की कर्मचारी-विरोधी और पेंशनभोगी-विरोधी नीति की कड़ी निंदा करते हैं

पंजाब पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा ने 17 मई को जालंधर प्रांतीय सम्मेलन में भाग लेने की अपील की है

» प्रथम न्यूज । फगवाड़ा

14 जून (कुलदीप सिंह)

पंजाब पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन फागवारा की मासिक बैठक वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार जोशी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक का संचालन एसोसिएशन के महासचिव और पंजाब स्टेट पेंशनर्स कॉन्फेडरेशन (रजिस्टर्ड) के राज्य सहायक प्रेस सचिव कुलदीप सिंह कौरा ने किया। प्रेस को जानकारी देते हुए प्रेस सचिव शीतल राम बंगा ने बताया कि

यह सूचित किया गया कि बैठक की शुरुआत में हाल ही में दिवंगत हुए संघ के सदस्यों – श्रीमती स्वर्ण कौर (बीपीईओ), एस. अवतार सिंह बस्सी (केंद्र प्रमुख शिक्षक), श्रीमती जोगिंदर कौर (प्रधानाध्यापक) और श्री निवासन (अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनभोगी संघ के राष्ट्रीय वित्त सचिव) – को श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। संघ के जिन सदस्यों का जन्मदिन जून माह में पड़ता है, उन्हें जन्मदिन की बधाई दी गई और उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की गई।

बैठक में उपस्थित सभी नेताओं और सदस्यों ने आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार की कर्मचारी और पेंशनभोगी विरोधी नीति की कड़ी निंदा की और कहा कि अब तक की सभी सरकारों में, आम आदमी पार्टी के एस. भगवंत सिंह मान की पंजाब सरकार कर्मचारियों और पेंशनभोगियों की जायज मांगों को हल करने में सबसे अक्षम साबित हुई है।

पिछले साढ़े चार वर्षों में कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को कुछ भी देने के बजाय, यह सरकार लगातार उनके लंबे संघर्षों से हासिल किए गए अधिकारों को छीनने का प्रयास कर रही है। उच्च न्यायालय ने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के खिलाफ 8 अप्रैल 2026 को एकल न्यायाधीश द्वारा 16 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) की किस्तों और बकाया राशि के भुगतान को लंबे समय से लंबित रखने के संबंध में उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष एक विशेष याचिका (एसएलपी) दायर की है, जिसकी संयुक्त रूप से निंदा की जाती है और मांग की जाती है कि उच्च न्यायालय के निर्णय को तत्काल लागू किया जाए और 30 जून 2026 से पहले कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई भत्ता देकर उच्च न्यायालय के निर्णय का सम्मान बहाल किया जाए।

नेताओं ने कहा कि जिन सदस्यों का एलटीसी जुलाई में देय है, उन्हें पेंशन पोर्टल पर अपना एलटीसी अपडेट करा लेना चाहिए ताकि उन्हें एलटीसी मिल सके। एक प्रस्ताव पारित करते हुए, पटियाला पुलिस प्रशासन ने पंजाब सरकार के इशारे पर सहायक लाइनमैनों पर किए गए अंधाधुंध लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की और पंजाब सरकार से मांग की कि सभी ग्रेड के सहायक लाइनमैनों को तत्काल नियमित नियुक्ति के आदेश जारी किए जाएं। दूसरे प्रस्ताव को पारित करते हुए, सेवा केंद्रों के कर्मचारियों के नियमितीकरण और वेतन वृद्धि के संघर्ष का भी जोरदार समर्थन किया गया। पंजाब सरकार पेंशनभोगी संयुक्त मोर्चा ने 17 जून से पहले 1 से 5 जून तक बैठक आयोजित करने की मांग की, जिसकी पंजाब सरकार ने मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को ज्ञापन भेजने के बावजूद बैठक का समय न देने पर कड़ी निंदा की। बैठक में उपस्थित नेताओं ने एसोसिएशन के सभी सदस्यों से अपील की कि वे पंजाब सरकार की कर्मचारी-विरोधी और पेंशनभोगी-विरोधी नीति का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए 17 जून को जालंधर राज्य सम्मेलन में जल्द से जल्द भाग लें, ताकि राज्य अध्यक्ष द्वारा निर्धारित कोटे से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

संस्था द्वारा अतीत में किए गए संघर्षों में भागीदारी पर संतोष व्यक्त किया गया। संस्था के वित्त सचिव गुरनाम सिंह सैनी ने बैठक में उपस्थित सदस्यों के साथ आय और व्यय का विवरण साझा किया और व्यय को स्वीकृत कराया। वित्त सचिव ने संस्था के सदस्यों से 2026 के संघर्ष कोष को जल्द से जल्द जमा करके संस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने और एक जिम्मेदार सदस्य होने पर गर्व महसूस करने की अपील की। बैठक के अंत में, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने उपस्थित सदस्यों को धन्यवाद देते हुए, घर पर बैठे सदस्यों से विनम्रतापूर्वक अपील की कि सभी सदस्य संस्था के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए मासिक बैठक और अन्य संघर्षों में सक्रिय रूप से भाग लें ताकि सरकार पर मांगों को स्वीकार करने का दबाव बनाया जा सके।

बैठक में प्रमोद कुमार जोशी, जसपाल सिंह ग्रेवाल, कृष्ण गोपाल चोपड़ा, गुरनाम सिंह सैनी, सतपाल सिंह खटकड़, सीतल राम बांगा, प्रिंसिपल धर्मवीर नारंग, प्रिंसिपल तरसेम सिंह सैनी, हेड मास्टर प्यारा सिंह गंभीर, हरी राम छोट, हरिंदर सिंह, केके पांडे, जगदीश लाल कलेर, प्यारा राम जस्सी, हरभजन लाल कौल, रतन सिंह गोराया, कुलदीप सिंह कौरा आदि पेंशनर मित्र भी उपस्थित थे।

Pratham News
@dainikprathamnews
सोमवार, 15 जून 2026

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

गुल्लरवाला में श्रीमद्भागवत कथा का सातवां दिन, दामोदर लीला और गोवर्धन प्रसंग से भक्त हुए भावविभोर

बद्दी, 14 जून (तारा)–बद्दी उपमंडल के गुल्लरवाला स्थित प्रसिद्ध दुर्गा माता मंदिर परिसर में आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन रविवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। क्षेत्र के प्रसिद्ध कथावाचक ऋषि गौतम ने अपने ओजस्वी प्रवचनों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कथा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, जिनमें महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

कथावाचक ऋषि गौतम ने माता यशोदा द्वारा बाल कृष्ण को ऊखल से बांधने की दामोदर लीला का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान को केवल प्रेम और भक्ति से ही बांधा जा सकता है। उन्होंने नलकुबेर और मणिग्रीव के उद्धार, बकासुर और अघासुर वध, ब्रह्मा जी के मान–मर्दन तथा श्रीकृष्ण द्वारा सात दिन तक कनिष्ठिका अंगुली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासियों की रक्षा करने जैसे प्रसंग भी सुनाए।

कथा के दौरान राधा–कृष्ण महाराज की मनमोहक झांकी भी निकाली गई, जिसने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। आयोजकों ने बताया कि सोमवार को हवन–यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर जीएसटी, कस्टम एवं नारकोटिक्स विभाग के डिप्टी कमिश्नर विशाल चौधरी (आईआरएस), पंचायत उपप्रधान ज्ञान चंद, पूर्व उपप्रधान पम्मी राम, निर्मल गोला, डॉ. भाग सिंह चौधरी, प्रकाश, रोशन लाल चौधरी, मघर सिंह, सुरिंदर सिंह, बहादुर सिंह, डॉ. राम आसरा, बजिंदर सिंह चौधरी, पंच सोमा देवी, सोचा देवी, बगो देवी, मनजीत कौर, गुरमीत कौर सहित अनेक गणमान्य ग्रामीण उपस्थित रहे। कथा उपरांत प्रतिदिन भंडारे का आयोजन भी किया जा रहा है। रविवार को कृष्ण कुमार और गुरमेल सिंह ने भंडारे की सेवा प्रदान की।

हनुमान मंदिर में ज्येष्ठ मंगलवार 16 जून को लगेगा भंडारा : ब्रह्मचारी श्रावण स्वरूप स्वामी

पट्टा मेहलोग, 14 जून (तारा) – विकास खंड पट्टा की कृष्णगढ़ पंचायत के चीडू का पानी में स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर व ठाकुरद्वारा में 16 जून ज्येष्ठ मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया जाएगा।मंदिर के पुजारी ब्रह्मचारी श्रवण स्वरूप स्वामी ने बताया कि इस दिन सुबह हनुमान जी की प्रतिमा को स्नानादि करवा कर प्रतिमा को नया चोला पहनाया जाएगा। मंदिर में सामूहिक रूप से पूजा अर्चना के बाद सुंदरकांड का पाठ व हवन यज्ञ किया जाएगा। दोपहर बाद मंदिर की ओर से आम जनता के लिए भंडारा लगाया जाएगा। स्वामी ने क्षेत्र के सभी प्रभु प्रेमियों से भंडारे का प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

कृष्ण कुमार सकलानी हिमाचल प्रदेश राज्य शतरंज एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त

» प्रथम न्यूज । मंडी
14 जून (जी. एल. महाजन)

ऑल इंडिया शतरंज फेडरेशन ने हिमाचल प्रदेश के प्रतिष्ठित उद्योगपति, समाजसेवी एवं जोगिन्दरनगर विकास मंच के संस्थापक कृष्ण कुमार सकलानी को हिमाचल प्रदेश राज्य शतरंज एसोसिएशन का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति को प्रदेश में शतरंज खेल के विकास और विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कृष्ण कुमार सकलानी मंडी जिले के जोगिन्दरनगर उपमंडल के लडभड़ोल क्षेत्र के खद्दर गांव से संबंध रखते हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा लडभड़ोल में प्राप्त की तथा उच्च शिक्षा दिल्ली में हासिल की। वर्तमान में वह एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित हैं और फैशन एवं परिधान क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनी 'सारा क्रिएशन इंक' के संस्थापक साझेदार हैं। व्यवसाय के साथ–साथ वह सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। इस नियुक्ति के उपलक्ष्य में हिमाचल भवन, नई दिल्ली में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली तथा राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न शतरंज संस्थाओं के पदाधिकारियों और खेल प्रेमियों ने भाग लिया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने सकलानी की उपलब्धियों और सामाजिक योगदान की सराहना की। कॉमनवेल्थ शतरंज एसोसिएशन के अध्यक्ष भरत सिंह चौहान ने कहा कि शतरंज विश्व के 182 देशों में खेला जाने वाला लोकप्रिय खेल बन चुका है। उन्होंने कहा कि उत्तरी भारत में इस खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि कई देशों में शतरंज प्रतियोगिताओं के प्रसारण के लिए विशेष टेलीविजन और यूट्यूब चैनल संचालित किए जा रहे हैं, जिससे इस खेल की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है। हिमाचल प्रदेश शतरंज एसोसिएशन के सचिव संजीव ठाकुर ने जानकारी दी कि जुब्बल स्पोर्ट्स हॉस्टल में शतरंज खेलने वाली 10 प्रतिभाशाली बालिकाओं को प्रवेश दिया गया है। उन्हें राज्य सरकार के सहयोग से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रायोजित भी किया जाएगा।

देवभूमि शतरंज एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय चड्ढा ने कहा कि कृष्ण कुमार सकलानी के जुड़ने से हिमाचल प्रदेश में शतरंज को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह खेल युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रखने और उनकी बौद्धिक क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अपने संबोधन में कृष्ण कुमार सकलानी ने ऑल इंडिया शतरंज फेडरेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह प्रदेश के दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों तक शतरंज को पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में विभिन्न स्तरों पर शतरंज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा तथा खेल ढांचे को सुदृढ़ कर नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अवसर प्रदान किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि सकलानी सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी लंबे समय से सक्रिय हैं। उन्होंने मंडी जिले सहित विभिन्न क्षेत्रों में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहायता, कोविड महामारी के दौरान राशन वितरण तथा गरीब बच्चों की शिक्षा में सहयोग जैसे अनेक जनकल्याणकारी कार्य किए हैं। उनकी नियुक्ति से प्रदेश में शतरंज के विकास को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध उद्योगपति सुमित सिंगला उत्तर भारत दिव्यांग क्रिकेट संगठन के उपाध्यक्ष नियुक्त

» प्रथम न्यूज । बद्दी
14 जून (गुरजीत सिंह)

हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध फार्मा उद्योगपति सुमित सिंगला (क्योरटेक ग्रुप) को एक समारोह के दौरान भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की दिव्यांग क्रिकेट समिति के सदस्य रविकांत चौहान ने उत्तर भारत दिव्यांग क्रिकेट संघ के वाईस प्रेजिडेंट का पदभार प्रदान किया।

इस अवसर पर चौहान जो दिव्यांग भारतीय क्रिकेट संघ और भारतीय दिव्यांग क्रिकेट कौंसिल (डी सी सी आई) के महासचिव भी हैं ने सुमित सिंगला को उत्तरी भारत के उपाध्यक्ष का नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए स्टेट क्रिकेट संगठनों को गठित करने और उत्तर भारत के राज्यों के संगठनों में आपसी तालमेल स्थापित कर उनको राष्ट्रीय दिव्यांग क्रिकेट संघ की नीतियों से अवगत करवाते हुए अपने अपने राज्यों और जिलों में से उभरते हुए दिव्यांग युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को राष्ट्रीय पटल पर लेकर आने का भरसक प्रयास करने के लिए कार्य करने की विशेष जिम्मेदारी सौंपी।

इस अवसर पर चौहान ने कहा कि सुमित सिंगला को यह प्रतिष्ठित पद उनके शानदार नेतृत्व, संपर्क और दिव्यांग खिलाडियों के प्रति उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि वह इस पद पर कार्य करते हुए दिव्यांग खिलाडियों के उत्थान हेतु भरसक कार्य करते रहेंगे। उन्होंने सुमित सिंगला को उत्तरी भारत के राज्यों में दिव्यांग संघों को स्थापित करने के साथ साथ खिलाड़ियों के विकास हेतु विभिन्न राज्य सरकारों, कॉर्पोरेट घरानों, खेल व उद्योगिक जगत से संपर्क कर उनकी मदद से दिव्यांग खिलाडियों के जीवन स्तर को सुधरने के भरसक प्रयास करने की जिम्मेदारी भी सौंपी। उन्होंने कहा कि पी.सी.सी.ए.आई. और डी.सी.सी.आई. की नीतियों को उत्तर भारत के राज्यों के संगठनों की मदद से इन राज्यों के दिव्यांग खिलाडियों के उत्थान हेतु कार्य करने का सुझाव दिया।

इस अवसर पर सुमित सिंगला ने उन्हें सौंपे गए इस प्रतिष्ठित पद का धन्यवाद करते हुए आश्वासन दिया कि वह उत्तर भारत के दिव्यांग खिलाडियों की भलाई हेतु कार्य करते रहेंगे।

परंपरागत खेलों को संजोए रखना हम सभी का कर्तव्य - संजय अवस्थी

» प्रथम न्यूज । सोलन
14 जून (बी.शर्मा)

अर्की के विधायक संजय अवस्थी ने कहा कि परंपरागत खेलों को संजोए रखना हम सभी का कर्तव्य है ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है और वह नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। संजय अवस्थी गत देर सांय अर्की के चौगान में महावीर दंगल समिति, लोक निर्माण विभाग अर्की मण्डल द्वारा आयोजित 64वें विशाल दंगल कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

संजय अवस्थी ने कहा कि दंगल हमारा पारंपरिक खेल है और दंगल को उसके प्राचीन स्वरूप में संरक्षित रखना हम सभी का उत्तरदायित्व है। उन्होंने कहा कि भारतीय दंगल ही आधुनिक समय की कुश्ती का जन्मदाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारतीय महिला एवं पुरूष पहलवान पूरे विश्व में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दंगल एवं कबड्डी जैसे खेलों को बढ़ावा देने के लिए ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस प्रकार के आयोजनों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

संजय अवस्थी ने कहा कि खिलाड़ियों को सम्मान और प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने पुरस्कार राशि में ऐतिहासिक वृद्धि की है। ओलंपिक, शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों की पुरस्कार राशि 3 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये की गई है। रजत पदक विजेताओं को अब 2 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेताओं के लिए राशि 1 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये की गई है। इस निर्णय से युवाओं को खेलों की ओर आकर्षिक करने में सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि नशा वर्तमान में समाज के समक्ष एक चुनौती बनकर उभरा है। युवाओं को नशे से दूर रखने व उन्हें शारीरिक विकास की ओर आकर्षित करने के लिए ऐसे खेल अहम भूमिका निभा रहे हैं। संजय अवस्थी ने युवाओं का आह्वान किया कि नशे से दूर रहें और अपने साथियों को भी नशे से दूर रखें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार नशे जैसी सामाजिक बुराई की रोकथाम के लिए पूर्ण रूप से सजग है और सभी स्तरों पर कार्य किया जा रहा है।

विधायक ने महावीर दंगल समिति को अपनी ओर से 21 हजार रुपए देने की घोषणा की।

इस अवसर पर खण्ड कांग्रेस समिति अर्की के अध्यक्ष सतीश कश्यप, उपमण्डलीय पुलिस अधिकारी दाड़लाघाट नवीन झालटा, लोक निर्माण विभाग अर्की के अधिशाषी अभियंता कृष्ण कांत, नगर पंचायत अर्की के नवनिर्वाचित पार्षदगण व स्थानीय लोग उपस्थित थे।

ढांग उपरली स्थित गुरूद्वारा साहिब में गुरू अर्जन देव जी के शहीदी दिवस को समर्पित गुरमत समागम का आयोजन

» प्रथम न्यूज । बद्दी
14 जून (गुरजीत सिंह)

उपमण्डल के ढांग उपरली स्थित अकाल बुंगा साहिब गुरूद्वारा साहिब में गुरू अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस को समर्पित गुरमत समागम का आयोजन किया गया। इस मौके पर शब्द कीर्तन कर संगत को निहाल किया गया। शुक्रवार को शुरू किए गए अखंड पाठ का भोग रविवार को डाला गया। इस मौके पर दीवान सजाया गया। गुरूनानक पब्लिक स्कूल के बच्चों ने गुरू की बाणी का बखान कर उपस्थित सगंत को निहाल किया। कथाबाचक भाई जगदीप सिंह गुरदासपुर ने संगत को गुरू अर्जन देव जी की शहीदी के बारे में संगत को अवगत करवाया। कीर्तनीय भाई हरदीप सिंह फतेहगढ़ साहिब ने रहम तेरी सुख पाया सदा नानक की अरदास, जपयो जिन अर्जन देव गुरू, बोलो जी वाहेगुरू आदि शब्द गायन कर संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथाबाचक भाई सुखविंद्र सिंह राटोल ने गुरू अर्जन देव जी का इतिहास सुनाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। गुरू जी ने धर्म का सम्मान करते हुए समय के बादशाह की सभी बातें मानने से इंकार कर दिया ओर शहीद होना उचित समझा। इस मौके पर अटूट लंगर का आयोजन किया गया जिसमें सभी धर्मों के लोगों ने गुरू का प्रसाद ग्रहण किया।

इस मौके पर गुरमत प्रचार ट्रस्ट के प्रधान नसीब सिंह, यशवंत सिंह, महिन्द्र सिंह, परमजीत सिंह, हरनेक सिंह, जसविन्द्र सिंह, परमजीत सिंह, सुरमुख सिंह, जगदीश सिंह, सतनाम सिंह, कुलवंत सिंह, परमजीत ग्रेवाल, सतनाम सिंह, मनजीत सिंह गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान नारायण सिंह, गुरविन्द्र सिंह, जोगा सिंह, हरबंस सिंह, जसबंत सिंह, रामदास सिंह, हरपाल सिंह, साधु सिंह, हरप्रीत सिंह, इन्द्रजीत सिंह सोनू, साध राम, मोहन सिंह, सतविन्द्र सिंह, जगतार सिंह, भूपिन्द्र सिंह, कर्मजीत सिंह, रामदास सिंह, अजमेर सिंह, सुरजीत सिंह, त्रिलोक सिंह, सतनाम सिंह, तरलोचन सिंह, सदाराम, जगीर सिंह, रशपाल सिंह, भाग सिंह, नरेन्द्र कौर, भजनो देवी, सुरजीत कौर समेत गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बद्दी पुलिस को बड़ी कामयाबी; अंतरराज्यीय ड्रग सप्लाई नेटवर्क का भंडाफोड़

» प्रथम न्यूज । सोलन
14 जून (एएम नाथ)

बद्दी पुलिस द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़े अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए महत्वपूर्ण सफलता हासिल की गई है। पुलिस थाना बद्दी में दिनांक 08. 05. 2026 को दर्ज स्न्ढ्ढक्र के तहत की गई कार्रवाई में पुलिस ने सालासर कॉम्प्लेक्स, बद्दी में छापेमारी कर भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीली दवाइयां बरामद की थी। इस मामले में पुलिस द्वारा तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

प्रारंभिक कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1,61,920 ट्रामाडोल (ञ्रह्म्ड्डद्वड्डस्रश्द्य) टैबलेट्स तथा 61,164 अल्प्राजोलाम (ड्डद्यश्चह्म्ड्ड5शद्यड्डद्व) टैबलेट्स बरामद की गई थी। मामले की गहन जांच एवं आरोपियों से पूछताछ के दौरान पुलिस को नशीली दवाइयों की सप्लाई चेन से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त हुए।

अन्वेषण के दौरान यह तथ्य सामने आया कि

आरोपियों द्वारा नशीली दवाइयों की एक बड़ी खेप ट्रांसपोर्ट के माध्यम से कांगड़ा के नगरोटा बगवां भेजी गई थी। बद्दी पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उक्त कंसाइनमेंट को होल्ड करवाया तथा दिनांक 17–05–2026 को इसे रिकॉल करवाया, जिसमें से प्रीगाबालिन के 3,290 कैप्सूल्स बरामद किए गए।

इसके साथ ही, जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपियों द्वारा नशीली दवाइयों की एक और बड़ी खेप ट्रांसपोर्ट के माध्यम से जबलपुर (मध्य प्रदेश) भेजी गई थी। प्राप्त जानकारी के आधार पर बद्दी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त कंसाइनमेंट को भी ट्रेस कर होल्ड करवाया तथा रिकॉल कराया। इसके उपरांत पुलिस द्वारा उस खेप से 65,357 अतिरिक्त अल्प्राजोलाम टैबलेट्स बरामद की गईं।

इस प्रकार अब तक इस मामले में कुल 1,26,521 अल्प्राजोलाम टैबलेट्स, 1,61,920 ट्रामाडोल टैबलेट्स तथा 3,290 प्रीगाबालिन कैप्सूल्स कुल 2,91,731 प्रतिबंधित नशीली दवाइयां बरामद की जा चुकी हैं।

मामले में पुलिस द्वारा वित्तीय लेन–देन की भी गहन जांच की जा रही है, ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य व्यक्तियों, नेटवर्क एवं आर्थिक लाभार्थियों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा सके।

तेज रफ्तार थार की टक्कर से युवक की मौत, नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
14 जून (जितेंद्र गौतम)

शाह तलाई की सरहयाली खड्डु में समस्त भगतपुर व नघियार वासियों ने नम आंखों से अपने लाडले पंकज कुमार को गमनीम माहौल अन्तिम भावभीनी अश्रुपूर्ण विदाई दी गई जिससे समस्त नघियार पंचायत में शोक की लहर, प्रधान अनु कुमारी सहित समस्त पंचायत प्रतिनिधियों एवं गांववासियों ने इस घटनाक्रम पर दु:ख व्यक्त किया गौरतलब है कि विकास खण्ड झंडूता के अंतर्गत पड़ने वाली ग्राम पंचायत नघियार में स्थित गांव भगतपुर के पंकज सुपुत्र नन्द लाल जोकि सिरमौर जिले के पाऊटासाहिब में किसी निजी क्षेत्र में कार्यरत था गौरतलब है कि जैसे ही वह प्रतिदिन की तरह अपनी ड्यूटी पर अपने निजी बाहर से जा रहा था तभी एक तेज रफ्तार से आ रही थार गाड़ी की चपेट में आ गया जिसके चलते चिकित्सालय लाया गया जहां पर चकतसिको ने उसे मृत घोषित कर दिया गया है गौरतलब है कि पंकज कुमार जोकि एक गरीब परिवार से सम्बन्ध रखता है उसके पिता

एक निजी व्यवसाय करके परिवार का पालन पोषण करते हैं इस दुखद घटना की मृतक स्व पंकज की माता ने प्रदेश सरकार एवं सिरमौर के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाते हुए दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की है उसने दोषियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि जिस तरह से मेरे बेटे की दुर्घटना हुई है उसी तरह आप भी एक मां की बद्दुआ से कभी नहीं बच सकते इस घटनाक्रम का पता लगते ही हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव विवेक कुमार ने तुरंत पुलिस अधीक्षक सिरमौर स्थित नाहन में दूरभाष द्वारा सम्पर्क किया व तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए इस अवसर पर जिला परिषद सदस्या आशा कुमारी,नघियार पंचायत की प्रधान अनु कुमारी, प्रधान ग्राम पंचायत बड़गांव मंगल सिंह ठाकुर , उप प्रधान नीलम, पूर्व बीबीसी पंकज,पूर्व प्रधान बुआ, मिनाक्षी, जसवंत बनियाल,पूर्व प्रधान बबीता, पूर्व उपप्रधान राजेश उर्फ कूकी प्रधान आत्मा परियोजना के निदेशक मियां मनिंदर सिंह चंदेल, अभिषेक, देव निधि, पूर्व प्रधान महिला मंडल नघियार आरती देवी, बुआ सन्तोष कुमारी, होशियार सिंह, हिमल भारद्वाज,परस राम,नगर पंचायत तलाई की उपाधयक्षा सुनीता रानी, सुनील कौशल,तरसेम राणा, ओंकार सिंह व अन्य ने स्व पंकज कुमार के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उसकी दिवंगत आत्मा हेतु शान्ति की प्रार्थना ईश्वर से की है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हरियाणा न्यूज
Website : www.prathamnews.in

संक्षिप्त न्यूज

गांव बीड़ सोंटी में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन : डा. मंजु शर्मा

कुरुक्षेत्र 14 जून (बृज मोहन) जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा.मंजु शर्मा ने कहा कि आयुष विभाग द्वारा गांव बीड सोंटी में व प्रेम सोंटी डेरे में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श, आयुर्वेदिक उपचार एवं योग के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. मंजु शर्मा ने आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस शिविर में कुल 101 मरीजों की जांच एवं उपचार किया गया। इस दौरान मौसमी बीमारियों से बचाव, संतुलित आहार, दिनचर्या एवं योग अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस शिविर में एएमओ डॉ. मीना, फार्मासिस्ट सिम्मी , एवाईएस नरेंद्र कुमार तथा योग इंस्ट्रक्टर संजय कुमार ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। योग प्रशिक्षक द्वारा ग्रामीणों को दैनिक जीवन में योग अपनाने के लाभ भी बताए गए।

डॉ मंजू शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में आयुर्वेद स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने तथा स्वस्थ भारत, समृद्ध भारत के उद्देश्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में ब्रह्मसरोवर के वीआईपी घाट, ब्रह्मसरोवर में आपदा एवं बाढ़ प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर कर्मचारियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल के अंतर्गत योग अभ्यास करवाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा एवं बाढ़ प्रशिक्षण से जुड़े कर्मचारियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ एवं सक्रिय बनाए रखना रहा।

इस दौरान प्रशिक्षकों द्वारा कर्मचारियों को विभिन्न योगासन, सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम एवं हस्त मुद्राओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा उनका अभ्यास भी करवाया गया। योग अभ्यास के माध्यम से तनाव प्रबंधन, एकाग्रता बढ़ाने एवं शारीरिक क्षमता में सुधार के लाभों पर विशेष जोर दिया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नियमित योग अपनाने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाते हुए आयुष विभाग के इस प्रयास की सराहना की।

100 फीसदी एथेनॉल ईंधन को कानूनी मान्यता, गडकरी का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, 14 जून (पुनीत महाजन) – केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री Nitin Gadkari ने देश में वैकल्पिक एवं स्वदेशी ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 100 फीसदी एथेनॉल (E100) ईंधन को कानूनी मान्यता देने संबंधी फाइल को मंजूरी मिलने की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पेट्रोल पर निर्भरता कम करने, ईंधन लागत घटाने और किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गडकरी के अनुसार, एथेनॉल आधारित ईंधन पेट्रोल और डीजल की तुलना में अधिक किफायती तथा पर्यावरण के लिए अनुकूल विकल्प साबित हो सकता है। इससे प्रदूषण में कमी आएगी और देश की ऊर्जा सुरक्षा भी मजबूत होगी। एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने, मक्का और अन्य कृषि उत्पादों से होता है, जिससे किसानों को अपनी फसलों का

बेहतर मूल्य मिलने की संभावना बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि सरकार एथेनॉल, बायो-फ्यूल, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे विकल्पों को तेजी से बढ़ावा दे रही है, ताकि भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। विशेषज्ञों का मानना है कि E100 ईंधन को कानूनी मान्यता मिलने से जैव ईंधन उद्योग, ऑटोमोबाइल क्षेत्र और किसानों को बड़ा लाभ होगा। हालांकि, इसके व्यापक उपयोग के लिए उपयुक्त वाहनों और आवश्यक बुनियादी ढांचे का विस्तार भी जरूरी होगा।

अग्रवाल सेवा ट्रस्ट (पंचकुला) की और से श्रद्धालुओं के लिए लगाई गई ठंडी लस्सी की छबील

चंडीगढ़ ((पुनीत महाजन) – अग्रवाल सेवा ट्रस्ट (पंचकुला) की और से माता मनसा देवी मंदिर मे आने वाले हजारों श्रद्धालुओं को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए ठंडी लस्सी की छबील लगाई गई।

अग्रवाल सेवा ट्रस्ट (पंचकुला) के मुख्य सदस्यों द्वारा जानकारी मे बताया गया की ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य महाराजा अग्रसेन जी के सिद्धांतों पर चलकर समाज की सेवा करना है। अग्रवाल सेवा ट्रस्ट द्वारा माता मनसा देवी मंदिर मे दर्शन करने आए हजारों श्रद्धालुओं को भीषण गर्मी से राहत दिलाने के लिए हर रविवार माता मनसा देवी मंदिर के प्रांगण ग्रेन मार्केट भंडारा हॉल के सामने ठंडे मीठे पानी की छबील व इस रविवार ठंडी लस्सी की विशाल छबील लगाई गई। अग्रवाल सेवा ट्रस्ट (पंचकुला) से मुख्य सदस्यों द्वारा जानकारी मे बताया गया कि दिनांक 13 जून दिन रविवार को पंचकुला सैक्टर 16 अग्रवाल भवन से 180 श्रद्धालुओं को अरूणाय महादेव मंदिर (पेहवा) व धर्मनगरी कुरुक्षेत्र तीर्थ धाम के दर्शन हेतु 3 एसी नि:शुल्क धार्मिक बस यात्रा भेजी गई। यात्रा मे उपस्थित सभी श्रद्धालुओं द्वारा इस धार्मिक यात्रा की खूब प्रशंसा एवं सराहना की गई। इस विशेष पुण्य कार्य के अवसर पर अग्रवाल सेवा ट्रस्ट के मुख्य सदस्यों सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता व समाज के प्रसिद्ध समाजसेवी उपस्थित रहे।

राष्ट्रसेवा और अंत्योदय की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं सामाजिक संस्थाएं : नायब सिंह सैनी

लुधियाना में 346वें मासिक विधवा राशन एवं सहायता वितरण समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
14 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि किसी भी समाज की महानता उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि कमजोर, असहाय और जरूरतमंद लोगों के प्रति उसके व्यवहार से मापी जाती है। जो समाज अपने वंचित और जरूरतमंद वर्ग की चिंता करता है, वही वास्तव में प्रगतिशील और संवेदनशील समाज कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को पंजाब के लुधियाना स्थित ज्ञान स्थल मंदिर में आयोजित 346वें मासिक विधवा राशन एवं सहायता वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने ज्ञान स्थल मंदिर सेवा सोसाइटी को 11 लाख रुपये की अनुदान राशि देने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने अमर शहीद लाला जगत नारायण को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, सामाजिक समरसता और मानव सेवा के लिए समर्पित किया। देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए उन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि लाला जगत नारायण जी की सेवा, समर्पण और राष्ट्रहित की भावना की विरासत को आज ज्ञान स्थल मंदिर सेवा सोसाइटी तथा लाला जगत नारायण निष्काम सेवा समिति आगे बढ़ा रही हैं।

महिला सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है हरियाणा सरकार

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार माताओं, बहनों और बेटियों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। प्रदेश में विधवा महिलाओं को 3,200 रुपये मासिक पेंशन प्रदान की जा रही है। दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत पात्र महिलाओं को 2,100 रुपये प्रतिमाह की सहायता दी जा रही है, जबकि हर घर-हर गृहिणी योजना के अंतर्गत 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, लखपति दीदी अभियान, स्वयं सहायता समूहों के सशक्तिकरण तथा महिला सुरक्षा और शिक्षा से जुड़ी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। इसके साथ ही प्रदेश में 81 नए कॉलेज खोले गए हैं, जिनमें 31 कॉलेज विशेष रूप से छात्राओं के लिए स्थापित किए गए हैं। राज्य सरकार बेटियों को स्नातकोत्तर स्तर तक नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध करा रही है, ताकि वे शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति का वास्तविक उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का उत्थान करना और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना है। उन्होंने कहा कि लुधियाना में विधवा माताओं और बहनों को सहायता उपलब्ध कराने का यह अभियान अंत्योदय के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक प्रेरणादायी प्रयास है। ऐसी सामाजिक संस्थाएं राष्ट्रसेवा, मानवता और जनकल्याण की भावना को सुदृढ़ करते हुए समाज को नई दिशा प्रदान कर रही हैं। इस अवसर पर पंजाब केसरी, जालंधर के चीफ एडिटर पद्मश्री विजय चोपड़ा, पद्मश्री रजनी बैक्टर, ज्ञान स्थल मंदिर सेवा सोसाइटी के पदाधिकारियों सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं जनसेवी संगठनों के प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे।

346 महीनों से निरंतर सेवा का अनूठा अभियान

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1997 में स्वर्गीय जगदीश बजाज द्वारा शुरू किया गया यह सेवा अभियान आज एक विशाल जनकल्याणकारी आंदोलन का रूप ले चुका है। लगातार 346 महीनों तक जरूरतमंद विधवा माताओं और बहनों तक सहायता पहुंचाना अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आज जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद प्रभावित परिवारों के लिए रवाना किए गए 64वें राहत सामग्री ट्रक की भी सराहना की। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा अब तक 1 लाख 65 हजार से अधिक जरूरतमंद विधवा परिवारों को राशन वितरित किया जा चुका है।

कोविड-19 महामारी जैसे चुनौतीपूर्ण दौर में भी संस्था के स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाने का कार्य किया। इसके अतिरिक्त संस्था द्वारा 385 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल उपलब्ध करवाई गई हैं, 1 लाख 15 हजार से अधिक महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित की गई हैं तथा 25 हजार से अधिक बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा प्रदान कर उनके भविष्य को नई दिशा देने का कार्य किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्था केवल सहायता वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। कौशल विकास और स्वरोजगार को बढ़ावा देने वाली इसकी पहलें समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बन रही हैं।

लघु फिल्म प्रतियोगिता-2026 में भाग लेने के लिए 30 जून तक करें आवेदन : विश्राम कुमार मीणा

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा करवाई जा रही 12वीं लघु फिल्म प्रतियोगिता

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
14 जून (बृज मोहन)

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा 12वीं लघु फिल्म प्रतियोगिता-2026 का आयोजन करवाया जा रहा है। यह प्रतियोगिता मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में संवेदनशीलता विकसित करने का एक उत्कृष्ट मंच है।

इसमें जिले के युवाओं, विद्यार्थियों एवं आम नागरिक अपनी लघु फिल्में 30 जून 2026 तक गुगल ड्राइव के माध्यम से एनएचआरसीएसएचओआरटीएफआईएलएम एट जीमेल डॉट कॉम पर भेज सकते हैं।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि देश का कोई भी नागरिक, किसी भी आयु वर्ग का प्रतिभागी इस प्रतियोगिता में भाग ले सकता है। फिल्म हिंदी, अंग्रेजी या किसी भी भारतीय भाषा में बनाई जा सकती है, जबकि गैर-अंग्रेजी फिल्मों के लिए अंग्रेजी सब-टाइटल अनिवार्य होंगे। फिल्म की अवधि न्यूनतम 3 मिनट और अधिकतम 10 मिनट निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र निर्धारित किए गए हैं। प्रथम पुरस्कार के रूप में 2 लाख रुपये, द्वितीय पुरस्कार 1 लाख 50 हजार रुपये तथा तृतीय पुरस्कार 1 लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा जूरी की सिफारिश पर अधिकतम चार प्रतिभागियों को विशेष उल्लेख के तहत 50-50 हजार रुपये का पुरस्कार भी दिया जा सकता है। प्रतियोगिता से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश और आवेदन पत्र राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते हैं।

जीएमसीएच-32 के आउटसोर्स कर्मचारियों की मांगों पर सांसद मनीष तिवारी ने दिया सकारात्मक आश्वासन

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
14 जून (पुनीत महाजन)

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच), सेक्टर-32, चंडीगढ़ में पिछले 10 से 15 वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स ग्रुप-सी एवं ग्रुप-डी कर्मचारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जीएमसीएच कॉन्ट्रैक्टर वर्कर्स यूनियन के नेतृत्व में चंडीगढ़ के सांसद Manish Tewari से उनके सेक्टर-16 स्थित निवास पर मुलाकात कर अपनी लंबित मांगों से अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व यूनियन के पूर्व प्रधान सुरेश कुमार, दिनेश सिंह रावत तथा समाजसेवी एवं पूर्व प्रेस सचिव विक्रम सिंह ने किया। इस दौरान सांसद को एक ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों ने नियमितीकरण और समान काम-समान वेतन की प्रमुख मांगें उठाईं।

कर्मचारियों ने बताया कि जीएमसीएच में वर्षों से सेवाएं दे रहे पैरामेडिकल स्टाफ, एमएलटी, डीईओ, वार्ड अटेंडेंट, सफाई कर्मचारी एवं अन्य आउटसोर्स कर्मियों के लिए अब तक कोई सुरक्षित नीति लागू नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा में आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, जबकि चंडीगढ़ में ऐसी व्यवस्था का अभाव है।

प्रतिनिधिमंडल ने समान काम-समान वेतन की मांग करते हुए पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेशों तथा अनुबंध श्रम (विनियमन एवं उन्मूलन) अधिनियम, 1970 के प्रावधानों का हवाला दिया। कर्मचारियों ने यह भी कहा कि आउटसोर्स व्यवस्था के कारण सरकारी राजस्व पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ रहा है।

सांसद मनीष तिवारी ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे को चंडीगढ़ प्रशासन के समक्ष उठाएंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर संसद में भी कर्मचारियों की आवाज बुलंद करेंगे।

यूनियन प्रतिनिधियों ने सांसद का आभार व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई कि उनके प्रयासों से नियमितीकरण और समान वेतन की मांगों के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा।

श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस को समर्पित महान नगर कीर्तन में उमड़ा आस्था, सेवा और सर्वधर्म सद्भाव का सैलाब

सांसद मनीष तिवारी ने टेका माथा, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सरोपा भेंट कर किया सम्मानित, सभी धर्मों और वर्गों के लोगों ने शामिल होकर मनीमाजरा में पेश की भाईचारे की मिसाल

» प्रथम न्यूज । मनीमाजरा/चंडीगढ़
14 जून (पुनीत महाजन)

श्री गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस (शहादत दिवस) को समर्पित एक भव्य एवं महान नगर कीर्तन का आयोजन रविवार को गुरुद्वारा श्री गुरु रविदास जी, माड़ी वाला टाउन, मनीमाजरा की प्रबंधक कमेटी एवं समूह साध संगत के सहयोग से पूरी श्रद्धा, हर्षोल्लास और भक्ति भावना के साथ किया गया। पंच प्यारों की छत्रछाया और अगुवाई में निकले इस नगर कीर्तन में सुसज्जित पालकी साहिब, कीर्तन जत्थों और भारी संख्या में उमड़े श्रद्धालुओं ने गुरु साहिब के यश का गुणगान किया।

सांसद मनीष तिवारी सहित कई गणमान्य हस्तियों ने दर्ज कराई उपस्थिति

इस पावन अवसर पर चंडीगढ़ के माननीय सांसद मनीष तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने गुरुद्वारा साहिब में माथा टेककर गुरु घर का आशीर्वाद प्राप्त किया और संगत के साथ श्री गुरु अर्जुन देव जी की पावन शिक्षाओं को नमन किया।

नगर कीर्तन में पहुंचने पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सुभाष सिंह, लखविंदर सिंह एवं अन्य सदस्यों ने सांसद मनीष तिवारी का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा उन्हें गुरु घर का आशीर्वाद स्वरूप सरोपा भेंट कर सम्मानित किया।

सांसद मनीष तिवारी ने श्री गुरु अर्जुन देव जी की महान शहादत को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा, गुरु साहिब ने मानवता, सत्य, सेवा और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

उनका जीवन समाज को प्रेम, भाईचारे, सहिष्णुता और निस्वार्थ सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर पूर्व मेयर सरदार सुरिंद्र सिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरजीत सिंह ढिल्लों, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजीव गाबा, प्रदेश कांग्रेस सचिव इमरान मंसूरी, उपाध्यक्ष राजबीर सिंह भारतीय, जिला उपाध्यक्ष शाम सिंह, आर.पी. शर्मा, राम प्रकाश चौधरी, एस.एस. परवाना, हरभजन सिंह, बलवीर सिंह सहित शहर की कई अन्य राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा सभी अतिथियों को सरोपा पहनाकर सम्मानित किया गया।

नगर कीर्तन का मार्ग और भव्य स्वागत

नगर कीर्तन का शुभारंभ गुरुद्वारा श्री गुरु रविदास जी, माड़ी वाला टाउन से हुआ। इसके बाद यह मनीमाजरा के विभिन्न क्षेत्रों- शांति नगर, मोहल्ला देहुड़ा साहिब, एचडीएफसी बैंक, गोविंदपुरा, मोरी गेट, मेन बाजार, राणा हवेली, गुरुद्वारा साहिब, मोटर मार्केट, सेंटर मार्केट, बस स्टैंड, ओल्ड रोपड़ रोड, समाधि गेट, शिवालिक गार्डन, पिपली वाला टाउन, मॉडर्न कॉम्प्लेक्स, ठाकुर द्वारा, और कपैलेक्स गेट नंबर-2 से होता हुआ वापस गुरुद्वारा साहिब में जाकर संपन्न हुआ।

पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा संगत के लिए जगह-जगह लंगर, जलपान और ठंडे-मीठे जल की छबीलें लगाई गईं।

सर्वधर्म सद्भाव की अनूठी मिसाल

इस धार्मिक समागम की सबसे खूबसूरत विशेषता यह रही कि इसमें हिन्दू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सहित सभी धर्मों और हर वर्ग के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर गुरु घर का आशीर्वाद प्राप्त किया और मनीमाजरा में आपसी प्रेम, सद्भावना और सर्वधर्म सद्भाव की एक अटूट मिसाल कायम की।

इस आयोजन को सफल बनाने में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सुभाष सिंह, लखविंदर सिंह, हरभजन सिंह सहित अनेक सेवादारों ने दिन-रात अपनी सेवाएं दीं। प्रबंधक कमेटी ने नगर कीर्तन को सफल बनाने में सहयोग देने वाली समस्त संगत, पुलिस प्रशासन, सेवादारों और क्षेत्रवासियों का सहदिल से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में आपसी एकता और मानवता की भावना को और मजबूत करते हैं।

आज का
संपादकीय

धुएँ के पीछे छिपा मौत का सच

सिगरेट का एक कश लगा और राजा वाली जिंदगी जी। यह शब्द काफी हैं किसी की जिंदगी को नरक बनाने के लिए। खास कर युवाओं को यह कथन अत्यधिक आकर्षित करने वाला है जो ज्यादातर प्रयोग में लाया जाता है। लेकिन इस बात से अंजान कि यह एक कश काफी है जीवन को बर्बाद करने के लिए, युवा मजे ही मजे में इसके आदि बनते जा रहे हैं। तंबाकू एक ऐसा उत्पाद है जिसकी एक बार यदि गलती से भी लत लग जाए तो इससे आसानी से छुटकारा नहीं पाया जा सकता। तंबाकू में निकोटिन नामक रसायन पाया जाता है जो नशीला और खतरनाक होता है। धूम्रपान करना भी एक तरह का मानसिक रोग ही है जो बार-बार व्यक्ति को नशा लेने हेतु प्रोत्साहित करता रहता है। बीड़ी, सिगरेट, गुटखा, खैनी या अन्य नशीले उत्पाद जिनमें तंबाकू का प्रयोग किया जाता है, सभी व्यक्ति के मस्तिष्क पर सीधा प्रभाव डालते हैं।

शिवालिक अवस्थी

इन सभी उत्पादों के सेवन से उक्त व्यक्ति को विभिन्न बीमारियां लग सकती हैं जिनमें सबसे आम है खराब फेफड़े और मुंह के रोग। यही रोग धीरे-धीरे रौद्र रूप धारण कर व्यक्ति को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी की ओर धकेल देते हैं। तंबाकू और निकोटिन कोई मिठाई नहीं है जिसे खा कर पचा लिया जाए। यह एक ऐसा जहर है जो धीरे-धीरे शरीर को खोखला करके व्यक्ति को तड़पने हेतु अकेला छोड़ देता है। तंबाकू एवं निकोटिन के प्रयोग से मस्तिष्क का विकास सही से नहीं हो पाता। इसके दुष्प्रभाव ऐसे हैं जो न केवल मस्तिष्क अपितु व्यक्ति के सारे शरीर पर गहरा असर डालते हैं। और तो और यदि कोई व्यक्ति धूम्रपान करने वाले के संपर्क में आ जाए तो उसे भी तंबाकू से होने वाले नुकसान झेलने पड़ते हैं। इसे पैसिव स्मोकिंग भी कहा जाता है।

खैर, हम क्यों तंबाकू के दुष्प्रभावों की बात कर रहे हैं आइए जानते हैं। दरअसल हाल ही में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 31 मई 2026 को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। जिसमें इस वर्ष की थीम यानी विषय है अनमास्किंग द अपील ङ्क निकोटीन और तंबाकू की लत से निपटना। इस बार की थीम में भी निकोटिन और तंबाकू की लत से निपटने की बात कही गई है। खास कर युवाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हम क्यों यहां युवाओं पर विशेष ध्यान दे रहे हैं क्योंकि प्राप्त जानकारी के अनुसार दुनियाभर में लगभग 4 करोड़ किशोर (13ङ्क15 वर्ष आयु वर्ग) तंबाकू का उपयोग करते हैं। और दुनियाभर में करीब 1.5 करोड़ किशोर (13-15 वर्ष आयु वर्ग) ई-सिगरेट का उपयोग कर रहे हैं। आंकड़े जरूर चौंकाने वाले हैं। ई-सिगरेट की बात करें तो कुछ लोग इसे कम हानिकारक मानते हैं जबकि असल में ऐसा बिल्कुल नहीं है।

ई-सिगरेट की लत से भी फेफड़ों को नुकसान पहुंचाया जाता है। सांस फूलने लगती है। खांसी व सीने में जलन जैसी कई बीमारियां पनप सकती हैं। अंततः ई-सिगरेट द्वारा भी सेवन तो तंबाकू का ही किया जा रहा है।

बेहद अचंभे की बात है कि लगभग सभी मादक पदार्थों पर साफ अक्षरों में वैधानिक चेतावनी दर्शाई जाती है जैसे - यह सेहत के लिए बेहद हानिकारक है बाबजूद इसके नशे से प्राप्त होने वाले अंधकारमय जीवन को हंसते-हंसते गले लगाकर अपनी सेहत के साथ खिलवाड़ किया जाता है, अब इसे अनभिज्ञता कहें या नासमझी? अब चूक कहां हो रही है, इस पर धरातल पर उपयुक्त रणनीति बनाने की आवश्यकता है। तंबाकू के खिलाफ लड़ी जानी वाली कोई भी जंग इतनी आसानी से जीती जाने वाली जंग नहीं है। इस जंग को जीतने के लिए हर घर से एक योद्धा को स्वतः खुल कर सामने आना होगा जो समाज सुधारक के रूप में अपना महत्वपूर्ण योगदान बखूबी से निभाए।

इसकी शुरुआत सभी को अपने-अपने घरों से ही करनी होगी, तभी हम तंबाकू मुक्त एवं स्वस्थ समाज की आकांक्षा रखने के अधिकारी बन सकते हैं। अभिवावकों को अपने बच्चों के हर कदम के प्रति बेहद सजग रहने की आवश्यकता है। एक अविभावक ही होते हैं जिन्हें अपने बच्चों के आचरण व उनके व्यवहार की पूरी जानकारी होने की ज्यादातर संभावना बनी रहती है। इसलिए, अविभावकों को चाहिए कि यदि उन्हें, आपके बच्चों के व्यवहार में, उनके आचरण में कोई भी बदलाव देखने को मिलें तो उनके साथ थोड़ा और समय बिताना आरंभ करें। अपने बच्चों के साथ एक दोस्त बनकर रहें और तंबाकू के दुष्प्रभाव के बारे में खुलकर बात करें, ताकि वे कोई भी बात आपसे छिपाए ना। विशेषकर अपने बच्चों की संगत के बारे में अवश्य सतर्क रहें।

अन्य पहलू पर यदि हम गौर करने का प्रयत्न करें, तो एक और जहां भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य जीवन शैली को अपनाकर, आज के युवाओं को हम तंबाकू के प्रयोग से दूर रखने में सफल हो सकते हैं तो दूसरी ओर एक कदम आध्यात्मिकता की ओर भी बेहद आश्चर्यपूर्ण परिणाम दिखाने में कारगर साबित हो सकता है। मूल रूप से तंबाकू की लत से छुटकारा तभी पाया जा सकता है जब हमारे मन में स्थिरता लाई जा सके, और अध्यात्म मार्ग से ऐसी स्थिरता बखूबी प्रयोग में लाई जा सकती है।

तंबाकू एवं निकोटिन की रोकथाम हेतु सरकार के प्रयासों के अलावा समाज के हर नागरिक को अपनी-अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी ताकि हमारा समाज, हमारा प्रदेश, हमारा देश उन्नत बन सके। इसके लिए आप सभी का सहयोग अपेक्षित रहेगा।

गांव शीला चौक, डा सिद्धपुर,
तहसील धर्मशाला,
जिला कांगड़ा, हि.प्र, 176057,

एक दिन पछतावा होगा जब हीरा खो दोगे

एक दिन पछतावा होगा जब हीरा खो दोगे। ईमानदार आदमी को मत ठुकराना, यह हीरे के समान होता है।

यह एक लाइन नहीं, जीवन का अनुभव है। दुनिया में सबसे सस्ती चीज झूठी चमक है और सबसे महंगी चीज ईमानदारी। हम अक्सर चमक के पीछे भागते हैं और असली हीरे को ठुकरा देते हैं। फिर जब वक्त बीत जाता है, तब समझ आता है कि हमने क्या खो दिया।

1. ईमानदारी ही असली पूँजी है

दुनिया में दो तरह की पूँजी होती है। एक वह जो तिजोरी में रखी जाती है, दूसरी वह जो रिश्तों में रखी जाती है। पैसा, पद, पहचान सब तिजोरी वाली पूँजी है। आज है, कल नहीं भी हो सकती। ईमानदारी रिश्तों वाली पूँजी है। यह दिखती नहीं, पर जब काम आती है तो किसी खजाने से कम नहीं होती।

ईमानदार आदमी वह है जो आपके फायदे के लिए नहीं, आपके भले के लिए खड़ा होता है। वह मीठी बात नहीं करेगा, सच बोलेगा।

गलत होने पर टोकेगा। शुरू में यह कड़वा लगेगा। लगेगा कि यह आदमी हमारे खिलाफ है। पर यही आदमी मुश्किल वक्त में साथ खड़ा मिलेगा। यही आदमी आपकी इज्जत, आपका भरोसा और आपकी साख बचाएगा।

समस्या यह है कि हम चमक को हीरा समझ लेते हैं। चमकदार बातें, चमकदार वादे, चमकदार चेहरे। और असली हीरा जो चुपचाप पड़ा है, उसे पत्थर समझ कर ठुकरा देते हैं। जब चमक उतरती है और झूठे लोग भाग जाते हैं, तब समझ आता है कि जो टोका करता था, वही अपना था।

2. झूठी चमक का आकर्षण

इंसान की फितरत है कि वह वही सुनना चाहता है जो उसे अच्छा लगे। ईमानदार आदमी यह सुख नहीं दे पाता। वह कहेगा कि यह फैसला गलत है। वह कहेगा कि यह रास्ता आपको बर्बाद कर देगा।

इसके उलट झूठा आदमी वही कहेगा जो आप सुनना चाहते हैं। वह आपकी हर बात पर हाँ कहेगा। आपकी कमजोरी को ताकत बताएगा। आपकी गलती पर भी ताली बजाएगा।

शुरू में सब अच्छा लगेगा। काम भी होते दिखेंगे, रास्ते भी आसान लगेंगे।

लेकिन यह चमक नकली है। जिस तरह नकली सोना कुछ दिन बाद काला पड़ जाता है, उसी तरह झूठी दोस्ती भी वक्त आने पर रंग दिखा देती है। मुश्किल वक्त में ये लोग सबसे पहले गायब होते हैं। क्योंकि इनका रिश्ता आपसे नहीं, आपके पद से था।

3. ईमानदार आदमी की पहचान

ईमानदार आदमी को पहचानना आसान नहीं है, पर नामुमकिन भी नहीं है। पहली पहचान यह है कि वह आपसे सहमत नहीं होगा हर बात पर। वह आपको आईना दिखाएगा। भले ही उस वक्त आपको बुरा लगे, पर बाद में समझ आएगा कि उसने आपको बचा लिया।

दूसरी पहचान यह है कि वह स्वार्थ नहीं देखेगा। वह आपके पद, आपके पैसे, आपकी पहुंच के लिए आपके पास नहीं आया है। वह रिश्ता निभाने आया है।

तीसरी पहचान यह है कि वह मुश्किल वक्त में साथ नहीं छोड़ेगा। जब सब किनारा कर लेंगे, तब भी वह खड़ा रहेगा। क्योंकि उसके लिए रिश्ता मतलब से बड़ा है।

चौथी पहचान यह है कि वह पीठ पीछे आपकी बुराई नहीं करेगा। जो सामने सच बोलता है, वही पीठ पीछे भी वफादार रहता है।

4. ठुकराने का नुकसान

ईमानदार आदमी को ठुकराना मतलब अपने सबसे बड़े सहारे को खो देना है।

पहला नुकसान यह होता है कि आप अकेले पड़ जाते हैं। आसपास चापलूसों की भीड़ तो रहती है, पर कोई सच बोलने वाला नहीं रहता। धीरे-धीरे आप गलत फैसले लेने लगते हैं। क्योंकि आपको रोकने वाला कोई नहीं रहता।

दूसरा नुकसान यह होता है कि आपका भरोसा टूट जाता है। लोग जानते हैं कि आप ईमानदार को पहचान नहीं पाते। इसलिए लोग आपका फायदा उठाते हैं। आज एक ठग आएगा, कल दूसरा। आप समझ भी नहीं पाते और ठगे जाते हैं।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

तीसरा नुकसान यह होता है कि आपकी साख गिरती है। लोग कहते हैं कि इसके पास ईमानदार लोग टिकते नहीं। इसका मतलब साफ है कि इसमें खुद कोई दम नहीं है।

चौथा नुकसान सबसे बड़ा है, पछतावा। जब वक्त बीत जाता है और वह ईमानदार आदमी चला जाता है, तब समझ आता है कि आपने क्या खो दिया। पर तब तक देर हो चुकी होती है। हीरा एक बार खो जाए तो दोबारा नहीं मिलता।

5. सार्वजनिक जीवन में सबक

पत्रकारिता में रोज देखता हूँ कि लोग ईमानदार लोगों को खोकर पछताते हैं।

एक नेता के पास एक कार्यकर्ता था जो साफ-साफ सच बोलता था। नेता को उसकी बातें कड़वी लगती थीं। उसने उसे दूर कर दिया। आसपास चापलूसों की भीड़ लग गई। चुनाव आया तो वही चापलूस सबसे पहले भाग गए। हार के बाद नेता को समझ आया कि जो सच बोलता था, वही सच्चा साथी था। पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

एक व्यापारी के पास एक मैनेजर था जो हिसाब में एक पैसे की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं करता था। व्यापारी को लगा कि यह बहुत सख्त है। उसने उसे निकाल दिया। नए लोग आए, जिन्होंने मीठी बातों में फँसाकर पूरा कारोबार डुबो दिया। जब सब खत्म हो गया तो व्यापारी को समझ आया कि जिसको निकाला था, वही हीरा था।

यही कहानी हर जगह दोहराई जाती है। हम ईमानदार को बोझ समझते हैं, और बोझ उतार कर खुश होते हैं। फिर जब बोझ उतर जाता है तो पता चलता है कि हमने अपना सहारा उतार दिया।

6. ईमानदारी की कीमत

ईमानदार आदमी बाजार में सस्ता नहीं मिलता। वह स्वार्थ नहीं देखता, रिश्ता निभाता है। वह फायदे के लिए नहीं, फर्ज के लिए खड़ा होता है। ऐसे लोग कम होते हैं, इसलिए कीमती होते हैं। हीरे की तरह।

हीरे को पहचानने के लिए परखना पड़ता है। उसी तरह ईमानदार आदमी को परखने के लिए वक्त चाहिए। एक-दो मुलाकात में आप उसे नहीं पहचान सकते। उसके लिए आपको देखना होगा कि वह फायदे में क्या करता है, नुकसान में क्या करता है। मुश्किल में साथ देता है या भाग जाता है।

जो व्यक्ति फायदे में भी वफादार रहे और नुकसान में भी साथ न छोड़े, वही असली हीरा है। उसे मत खोइए।

7. समाज का दोहरा चरित्र

समाज का चरित्र अजीब है। मुंह पर सब कहते हैं कि ईमानदारी जरूरी है। पर हकीकत में लोग ईमानदार से कतराते हैं।

कारण साफ है। ईमानदार आदमी सवाल पूछता है। वह आपको असहज करता है। वह आपको आईना दिखाता है। और इंसान को आईना देखना पसंद नहीं है। उसे चमकदार तस्वीर पसंद है, भले ही वह झूठी हो।

इसलिए समाज में चापलूसों की पूछ ज्यादा होती है। वे आपको वही दिखाते हैं जो आप देखना चाहते हैं। आप खुश रहते हैं, और धीरे-धीरे गर्त में चले जाते हैं।

8. खुद से सवाल कीजिए

अगर आप सार्वजनिक जीवन में हैं, तो खुद से यह सवाल पूछिए।

क्या मेरे आसपास कोई ऐसा है जो मुझे टोकता है?

क्या कोई ऐसा है जो मेरे गलत होने पर भी मेरे साथ खड़ा रहता है?

क्या कोई ऐसा है जो मेरे पद के लिए नहीं, मेरे लिए मेरे पास है?

अगर हाँ है, तो उसे संभाल कर रखिए। वह हीरा है। उसे मत खोइए।

अगर नहीं है, तो समझ लीजिए कि आप अकेले हैं। आसपास भीड़ है, पर अपना कोई नहीं है।

9. पछतावे से बचने का उपाय

पछतावे से बचने का एक ही उपाय है, समय रहते पहचानना।

पहला उपाय है अहंकार छोड़ना। अगर आपको लगता है कि आपसे बड़ा कोई नहीं, तो आप ईमानदार को कभी पहचान नहीं पाएंगे। अहंकार आँखों पर पट्टी बांध देता है।

दूसरा उपाय है सुनना सीखना। जो आपको पसंद न आए, उसे भी सुनिए। हो सकता है उसी में आपकी भलाई छिपी हो।

तीसरा उपाय है परखना। किसी को एक-दो मुलाकात में मत परखिए। वक्त दीजिए। मुश्किल में देखिए। तब पता चलेगा कि कौन अपना है।

चौथा उपाय है कद्र करना। जब आपको लगे कि यह आदमी सच्चा है, तो उसे बताइए। सम्मान दीजिए। क्योंकि ईमानदार आदमी को भी लगता है कि उसकी कद्र हो रही है या नहीं।

10. निष्कर्ष- हीरा मत खोइए

दुनिया में पैसा फिर मिल जाएगा, पद फिर मिल जाएगा, पहचान फिर बन जाएगी। पर ईमानदार आदमी एक बार चला गया तो वापस नहीं आता।

चापलूस मिल जाएंगे, हाँ में हाँ मिलाने वाले मिल जाएंगे, पर ईमानदार नहीं मिलेगा। क्योंकि ईमानदारी बाजार में बिकती नहीं है। यह पैदा होती है, संस्कारों से, संस्कृति से, सोच से।

इसलिए आज आपके पास अगर कोई ऐसा इंसान है जो बिना मतलब के सच बोलता है, जो आपके गलत होने पर भी आपके साथ खड़ा है, तो उसे संभाल कर रखिए। उसे मत ठुकराइए।

क्योंकि एक दिन पछतावा होगा जब हीरा खो दोगे।

और तब समझ आएगा कि ईमानदार आदमी हीरे के समान होता है।

अयोध्या : चढ़ावे की चोरी

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला करोड़ों हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने वाला है। सदियों के संघर्ष और प्रतीक्षा के बाद बना यह मंदिर विश्व भर के हिंदुओं की श्रद्धा का केंद्र है। ऐसे मंदिर में चढ़ावे की चोरी की घटना को बहुत ही गंभीरता से लेने की आवश्यकता थी, लेकिन कोई नहीं जानता कि दान की राशि में हेराफेरी की बात सामने आते ही उच्चस्तरीय जांच का निर्णय क्यों नहीं लिया गया?

इस मामले में जिस प्रकार एफआईआर दर्ज कराने की आवश्यकता नहीं समझी गई, उससे अनेक सवाल खड़े होते हैं। यह विचित्र है कि राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी की भनक सबसे पहले विपक्षी नेताओं को लगी और उनकी ओर से आवाज उठाने के बाद ही मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों का ध्यान इस ओर गया।

इससे तो यही इंगित होता है कि दान में मिले धन के प्रबंधन की कोई उचित व्यवस्था नहीं थी। कम से कम अब तो ऐसा अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए।

यह समझना कठिन है कि चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आने के बाद ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने इससे इन्कार क्यों किया कि इस तरह की कहीं कोई घटना हुई है? इसके उपरांत जब दान राशि की गिनती से जुड़े लोगों के ठिकानों से लाखों रुपये मिले, तब जाकर इस मामले में थोड़ी गंभीरता दिखाई गई। इनमें से कुछ व्यक्ति तो ऐसे हैं, जिन्होंने महंगी संपत्ति खरीदी और अपने वैभव का सार्वजनिक प्रदर्शन करने में लगे हुए थे। इस सबको देखते हुए यह कहना कठिन है कि दान की राशि में हेराफेरी का सिलसिला पिछले कितने समय से चला आ रहा था।

यह ठीक है कि अंततः ट्रस्ट के आग्रह पर एक विशेष जांच दल का गठन कर दिया गया है। यह जांच दल दानपात्रों के सुरक्षा प्रबंध के साथ राशि गिनने और उसे बैंक में जमा करने की प्रक्रिया जांचेगा, लेकिन उचित यह होगा कि यह दल उन कारणों की तह तक भी जाए, जिनके चलते आरंभ में ही चढ़ावे की राशि में हेराफेरी का पता नहीं चल सका।

किसी के लिए भी यह समझना कठिन है कि इतने प्रतिष्ठित मंदिर में पहले दिन से ही ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं की गई कि दान में मिली पाई-पाई का रखरखाव सही तरीके से हो? किसी को इस प्रश्न का उत्तर देना चाहिए कि प्रारंभ में ही उस कक्ष में सीसीटीवी कैमरे क्यों नहीं लगाए गए, जिसमें दानपात्रों को खोला जाता था और फिर राशि की गिनती होती थी।

उचित यह होगा कि विशेष जांच दल अपनी छानबीन इस तरह करे कि सभी दोषी पकड़े जाएं और ट्रस्ट के जिन भी लोगों ने अपेक्षित जिम्मेदारी का परिचय नहीं दिया, उन्हें भी जवाबदेह बनाया जाए। यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि श्रद्धा का कोई भी केंद्र हो, वहां यदि भक्तों के दान की राशि के साथ किसी भी तरह की हेराफेरी होती है तो उनकी आस्था को गहरी चोट पहुंचती है।

आंतरिक प्रवास और राज्यीय विकास

अंतरिक अस्थायी प्रवास भारत की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय संरचना का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह वह प्रक्रिया है जिसमें लोग रोजगार, शिक्षा, व्यापार, कृषि कार्य, निर्माण गतिविधियों अथवा बेहतर जीवन स्तर की खोज में कुछ समय के लिए अपने मूल निवास स्थान से किसी अन्य क्षेत्र या राज्य में जाते हैं और कार्य समाप्त होने पर वापस लौट आते हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में प्रवास कोई नई घटना नहीं है, बल्कि यह आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन का एक स्वाभाविक परिणाम है। फिर भी, अक्सर यह प्रश्न उठता है कि क्या आंतरिक अस्थायी प्रवास राज्यों के विकास को बाधित करता है तथा क्या राज्य सरकारें इसे अपने विकास कार्यक्रमों के लिए चुनौती मानती हैं। वस्तुतः प्रवास एक जटिल प्रक्रिया है जिसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव देखने को मिलते हैं।

भारत में आंतरिक प्रवास का स्वरूप अत्यंत व्यापक है। जनगणना 2011 के अनुसार देश में लगभग 45.6 करोड़ प्रवासी थे, जो उस समय की कुल जनसंख्या का लगभग 37 प्रतिशत थे। यद्यपि इनमें बड़ी संख्या विवाह-आधारित प्रवासियों की थी, फिर भी रोजगार और आजीविका की तलाश में होने वाला प्रवास तेजी से बढ़ रहा है। आर्थिक सर्वेक्षण 2017 के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 90 लाख लोग अंतरराज्यीय स्तर पर रोजगार के लिए प्रवास करते हैं। विभिन्न सरकारी और स्वतंत्र अध्ययनों के अनुसार भारत में 10 से 14 करोड़ के बीच अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिक हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे औद्योगिक एवं शहरी राज्यों में बड़ी संख्या में प्रवासी श्रमिक कार्यरत हैं, जबकि बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा और मध्य प्रदेश जैसे राज्य प्रमुख श्रम-प्रेषक राज्य माने जाते हैं।

अस्थायी प्रवास के कारण राज्यों के विकास कार्यक्रमों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती जनसंख्या के सही आकलन की होती है। राज्य सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, परिवहन, जलापूर्ति और अन्य सार्वजनिक सेवाओं की योजना अनुमानित जनसंख्या के आधार पर बनाती हैं। लेकिन जब लाखों लोग किसी राज्य में अस्थायी रूप से निवास करने लगते हैं, तो वास्तविक लाभार्थियों की संख्या बढ़ जाती है। उदाहरण के लिए, मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और अहमदाबाद जैसे शहरों में प्रवासी श्रमिकों की बड़ी आबादी रहती है, जिसके कारण शहरी सेवाओं की मांग लगातार बढ़ती रहती है। यदि सरकार के पास इन प्रवासियों का सटीक डेटा न हो, तो योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन कठिन हो जाता है।

प्रवास के कारण शहरी अवसंरचना पर भी भारी दबाव पड़ता है। तेजी से बढ़ती प्रवासी आबादी के कारण सस्ते आवास, पेयजल, स्वच्छता, सार्वजनिक परिवहन और स्वास्थ्य सुविधाओं की मांग बढ़ जाती है। अनेक प्रवासी कम आय होने के कारण झुग्गी-झोपड़ियों या अनौपचारिक बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं। इससे शहरी नियोजन की चुनौतियाँ बढ़ती हैं और नगर प्रशासन पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमानों के अनुसार भारत की शहरी आबादी आगामी दशकों में तेजी से बढ़ेगी, जिसके परिणामस्वरूप शहरों पर दबाव और अधिक बढ़ सकता है। इसलिए कई राज्य सरकारें प्रवास को विकास योजनाओं के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक चुनौती के रूप में देखती हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण समस्या कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन से जुड़ी है। अधिकांश सरकारी योजनाएँ निवास-आधारित होती हैं। अस्थायी प्रवासी अपने मूल राज्य में पंजीकृत रहते हैं, जबकि रोजगार किसी अन्य राज्य में करते हैं। परिणामस्वरूप उन्हें राशन, स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा और अन्य लाभ प्राप्त करने में कठिनाई होती है।

विशाल कल्याण

कोविड-19 महामारी के दौरान यह समस्या स्पष्ट रूप से सामने आई, जब लाखों प्रवासी श्रमिकों को भोजन, आवास और परिवहन जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ा। इससे यह स्पष्ट हुआ कि राज्यों के पास प्रवासी आबादी से संबंधित पर्याप्त और अद्यतन जानकारी उपलब्ध नहीं थी।

स्रोत राज्यों पर भी प्रवास का प्रभाव पड़ता है। बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों से बड़ी संख्या में युवा श्रमिक रोजगार के लिए अन्य राज्यों में चले जाते हैं। इससे कभी-कभी कृषि और स्थानीय उद्योगों में श्रमिकों की कमी उत्पन्न हो जाती है। विशेषकर फसल कटाई और बुवाई के समय श्रमिकों की अनुपलब्धता उत्पादन को प्रभावित कर सकती है। इसके अतिरिक्त, युवा और कुशल श्रमिकों के पलायन से कुछ क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों की गति धीमी पड़ सकती है। यही कारण है कि कई राज्य रोजगार सृजन और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने पर बल देते हैं ताकि लोगों को अपने राज्य में ही रोजगार उपलब्ध हो सके।

हालाँकि, प्रवास के केवल नकारात्मक पक्षों को देखना उचित नहीं होगा। वास्तव में आंतरिक अस्थायी प्रवास भारत की आर्थिक प्रगति का एक प्रमुख आधार है। प्रवासी श्रमिक निर्माण, विनिर्माण, परिवहन, होटल, खुदरा व्यापार, घरेलू कार्य तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। भारत के निर्माण क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों का बड़ा हिस्सा प्रवासी है। सड़क, मेट्रो, रेलवे, बंदरगाह, औद्योगिक परियोजनाएँ और शहरी विकास कार्यक्रम काफी हद तक इन्हीं श्रमिकों पर निर्भर करते हैं। यदि प्रवासी श्रमिक उपलब्ध न हों, तो अनेक विकास परियोजनाओं की लागत बढ़ सकती है और उनके पूर्ण होने में अधिक समय लग सकता है।

प्रवास आर्थिक विकास को भी गति प्रदान करता है। श्रमिक उन क्षेत्रों में पहुँचते हैं जहाँ रोजगार और उत्पादन की अधिक संभावनाएँ होती हैं। इससे उद्योगों को आवश्यक श्रम शक्ति मिलती है और उत्पादन बढ़ता है। महाराष्ट्र, गुजरात और तमिलनाडु जैसे राज्यों की औद्योगिक सफलता में प्रवासी श्रमिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्रम और पूंजी का यह बेहतर संयोजन आर्थिक दक्षता को बढ़ाता है और राष्ट्रीय आय में वृद्धि करता है। इसलिए अनेक अर्थशास्त्री प्रवास को आर्थिक विकास का एक सकारात्मक संकेतक मानते हैं।

प्रवास का एक अन्य महत्वपूर्ण लाभ प्रेषण के रूप में देखने को मिलता है। प्रवासी श्रमिक अपनी आय का एक हिस्सा अपने परिवारों को भेजते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आय बढ़ती है और परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। यह धन शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और छोटे व्यवसायों में निवेश के रूप में उपयोग किया जाता है। कई ग्रामीण परिवारों की आय का प्रमुख स्रोत यही प्रेषण होता है। परिणामस्वरूप स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलता है और गरीबी कम करने में सहायता मिलती है।

अस्थायी प्रवास मानव संसाधन विकास में भी योगदान देता है। विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने से श्रमिक नए कौशल, तकनीक और कार्य अनुभव प्राप्त करते हैं।

बाद में जब वे अपने गृह राज्य लौटते हैं, तो इन कौशलों का उपयोग स्थानीय स्तर पर कर सकते हैं। इससे उत्पादकता बढ़ती है और आर्थिक अवसरों का विस्तार होता है। कौशल विकास और ज्ञान का यह आदान-प्रदान क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कोविड-19 महामारी ने भारत में प्रवास प्रबंधन की कमजोरियों को उजागर किया। लॉकडाउन के दौरान लाखों प्रवासी श्रमिक अपने गृह राज्यों की ओर लौटे, जिससे स्पष्ट हुआ कि देश में प्रवासी श्रमिकों का विश्वसनीय डेटाबेस उपलब्ध नहीं है। इसके बाद सरकार ने ई-श्रम पोर्टल, वन नेशन वन राशन कार्ड और श्रमिक पंजीकरण जैसी पहलों को आगे बढ़ाया। इन उपायों का उद्देश्य प्रवासी श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना तथा उन्हें देश के किसी भी हिस्से में सरकारी सुविधाओं तक पहुँच उपलब्ध कराना है। भविष्य में ऐसे प्रयास राज्यों की विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक होंगे।

वर्तमान समय में आवश्यकता इस बात की है कि आंतरिक प्रवास को समस्या के रूप में देखने के बजाय विकास के अवसर के रूप में समझा जाए। इसके लिए राज्यों को प्रवासी श्रमिकों का अद्यतन डेटाबेस तैयार करना चाहिए, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को पूरी तरह पोर्टेबल बनाना चाहिए, सस्ते किराये के आवास विकसित करने चाहिए तथा राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना चाहिए। साथ ही, श्रम-प्रेषक राज्यों में रोजगार सृजन, औद्योगीकरण और कौशल विकास कार्यक्रमों को बढ़ावा देना भी आवश्यक है ताकि लोगों के पास स्थानीय स्तर पर भी पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों।

निष्कर्षतः, आंतरिक अस्थायी प्रवास राज्यों के विकास को रोकने वाला कारक नहीं है, बल्कि यह विकास प्रक्रिया का एक अभिन्न हिस्सा है। यद्यपि इसके कारण जनसंख्या प्रबंधन, शहरी अवसंरचना और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन जैसी चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं, फिर भी इसके आर्थिक और सामाजिक लाभ कहीं अधिक व्यापक हैं। प्रवासी श्रमिक देश की उत्पादन प्रणाली, निर्माण गतिविधियों और सेवा क्षेत्र की रीढ़ हैं। इसलिए राज्यों को प्रवास को बाधा के रूप में नहीं, बल्कि एक ऐसी वास्तविकता के रूप में स्वीकार करना चाहिए जिसे प्रभावी नीतियों, बेहतर डेटा और समावेशी विकास दृष्टिकोण के माध्यम से विकास की शक्ति में बदला जा सकता है।

साभार
विशाल कल्याण
सहायक प्रोफेसर

संक्षिप्त न्यूज

चौड़ा मैदान-पीटरहॉफ मार्ग पर रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक होगा पाइप लाइन कार्य

शिमला (बी. शर्मा)– जिला दण्डाधिकारी शिमला अनुपम कश्यप द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शिमला की रिपोर्ट के आधार पर शिमला जल प्रबंधन निगम लिमिटेड (एसजेपीएनएल) को चौड़ा मैदान से पीटरहॉफ तक ट्रांसमिशन नेटवर्क (पैकेज–10) के अंतर्गत पाइप लाइन बिछाने के कार्य हेतु अस्थायी अनुमति प्रदान की गई है। यह अनुमति 09 जुलाई, 2026 तक प्रतिदिन रात्रि 8ः00 बजे से प्रातः 8ः00 बजे तक प्रभावी रहेगी। आदेशानुसार उक्त अवधि के दौरान संबंधित मार्ग पर पाइप लाइन बिछाने का कार्य किया जाएगा। कार्य के दौरान यातायात को पूर्णतः बंद नहीं किया जाएगा, बल्कि एकतरफा यातायात को नियंत्रित एवं संचालित किया जाएगा ताकि आम जनता को न्यूनतम असुविधा हो।

अनुमति की शर्तों के अनुसार कार्य निष्पादित करने वाली एजेंसी को पर्यावरण एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण संबंधी सभी नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों एवं आवासीय क्षेत्रों के निकट निर्धारित ध्वनि मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। कार्यस्थल पर यातायात नियंत्रण के लिए पर्याप्त संख्या में ट्रैफिक मार्शल, परावर्तक जैकेट, संकेतक बोर्ड एवं बैरिकेड्स लगाए जाएंगे।

साथ ही, पैदल यात्रियों, एम्बुलेंस तथा अग्निशमन वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी। सड़क पर किसी भी प्रकार का मलबा, खुदाई सामग्री अथवा निर्माण सामग्री नहीं छोड़ी जाएगी तथा कार्य पूर्ण होने के पश्चात मार्ग को यातायात हेतु साफ रखा जाएगा।

जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग ने आम जनता से सहयोग एवं धैर्य बनाए रखने का आग्रह किया है। किसी भी आपातकालीन स्थिति में संबंधित स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों को तत्काल सूचित करना होगा।

नूरपुर में स्विफ्ट कार से 43.56 ग्राम चिट्टा बरामद

पंजाब और कांगड़ा के 2 तस्कर गिरफ्तार

नूरपुर (एएम नाथ)– कांगड़ा जिले के नूरपुर में नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस का कड़ा प्रहार जारी है। जीरो टॉलरैंस नीति के तहत सीआईए नूरपुर की टीम ने पंजाब सीमा से सटे कंडवाल चैक पोस्ट पर एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए दो शातिर तस्करों को 43.56 ग्राम चिट्टे के साथ रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से इलाके में सक्रिय ड्रग माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सीआईए नूरपुर की टीम कंडवाल चैक पोस्ट पर मुस्तैदी से नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक स्विफ्ट कार को जांच के लिए रोका गया। पुलिस टीम को देखकर कार में सवार दोनों युवक घबरा गए और उनकी गतिविधियां बेहद संदिग्ध लगने लगीं। शक गहराने पर जब पुलिस ने कार की गहन तलाशी ली, तो उसमें छिपाकर रखा गया 43.56 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।

पुलिस ने तुरंत मादक पदार्थ और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्विफ्ट कार को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने मौके से दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पकड़े गए तस्करों की पहचान अक्षय कुमार निवासी समलोटी व जिला कांगड़ा और सवरण सिंह निवासी बबेहाली (पंजाब) के रूप में हुई है।

एक आरोपी पंजाब का और दूसरा हिमाचल का होने के चलते यह स्पष्ट हो गया है कि नशे की इस खेप के तार सीमा पार से जुड़े हुए हैं।

अमरावती परिसर में ठंडे पेय जल की छबील

बद्दी, 14 जून (तारा)– नगर निगम बद्दी के वार्ड–8 स्थित अमरावती वेलफेयर सोसाइटी परिसर में देवभूमि सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा ठंडे जल की छबील एवं प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन देवभूमि सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सभी सदस्यों के सहयोग से किया गया।

इस दौरान समिति के पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों ने श्रद्धालुओं और राहगीरों को ठंडा जल एवं प्रसाद वितरित किया। सोसाइटी के अध्यक्ष राजेश पाटियाल ने बताया कि यह धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समिति के सभी सदस्यों के सहयोग से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि समाज सेवा और जरूरतमंदों की सहायता करना संस्था का मुख्य उद्देश्य है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

चंबा में युवक की संदिग्ध मौत पर हंगामा, परिजनों ने लगाया चक्का जाम

चंबा, 14 जून (एएम नाथ) हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के चुराह क्षेत्र में रविवार को एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने के बाद लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। मृतक की पहचान 26 वर्षीय हरविन्द्र सिंह पुत्र ऋषि निवासी गांव राख मलोगा, डाकघर कल्हेल, तहसील चुराह के रूप में हुई है। उसका शव चंबा–तीसा मुख्य मार्ग पर स्थित कल्हेल पुल के नीचे बरामद हुआ।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने युवक की मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई और मामले की गहन जांच की मांग की। विरोध स्वरूप आक्रोशित लोगों ने चंबा–तीसा मुख्य मार्ग पर चक्का जाम कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित हुआ।

सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

जान बचाने की गुहार लगाने के बाद भी हत्या, क्या कर रही है सरकार : जयराम ठाकुर

प्रदेश में एक के बाद एक आपराधिक घटनाएं खोल रही हैं कानून-व्यवस्था की कलई

» प्रथम न्यूज । शिमला
14 जून (बी.शर्मा)

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शिमला से जारी बयान में कहा कि प्रदेश में कानून–व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। प्रदेश की राजधानी शिमला में कल सरेशाम एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हैरानी की बात यह है कि जिस महिला की हत्या हुई, उसने बार–बार अपनी हत्या होने की आशंका जताते हुए पुलिस प्रशासन से अपनी जान बचाने की गुहार लगाई थी। बार–बार गुहार लगाने के बाद भी महिला की जान नहीं बची। ऐसी हृदयविदारक घटनाएं हिमाचल में पहले कभी सुनी भी नहीं गई थीं, लेकिन अब आए दिन हो रही हैं। हिमाचल प्रदेश में ऐसी घटनाओं के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। प्रदेश में कानून का राज होना चाहिए, लेकिन यहां अपराधी आए दिन तांडव मचा रहे हैं और पुलिस मूक दर्शक बनकर देख रही है।

उन्होंने कहा कि एक महिला द्वारा अपनी हत्या होने की आशंका जताने और बार–बार जान बचाने की गुहार लगाने के बाद भी पुलिस द्वारा उसकी रक्षा न कर पाना पुलिस, प्रशासन और सरकार की बहुत बड़ी नाकामी है। हत्याकांड में शामिल सभी अपराधियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई हो, ताकि उसका संदेश दूर तक जाए। साथ ही इस मामले में लापरवाही करने वाले सभी जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

जयराम ठाकुर ने कहा कि पुलिस का काम कानून–व्यवस्था दुरुस्त करना, अपराधियों पर शिकंजा कसना और अराजक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करना होता है। लेकिन हिमाचल की पुलिस सरकार के निर्देशों पर अन्य कार्यों में ही व्यस्त है। वह सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले और मुख्यमंत्री की नाकामियों को चिह्नित करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। भारतीय जनता पार्टी के समर्थन से जीते नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों को परेशान करने और उन पर दबाव बनाने में व्यस्त है। सत्ता–समर्थित अराजक लोगों को सुरक्षा देने में व्यस्त है। विपक्ष के नेताओं की लोकेशन ट्रेस करने में व्यस्त है। भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के फोन की निगरानी करने में व्यस्त है। सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोगों को फर्जी मुकदमों में फंसाकर जेल भेजने में व्यस्त है। पत्रकारों पर फर्जी मुकदमे दर्ज करने में व्यस्त है। हमने पहले ही आगाह किया था कि सरकार जिस तरीके से कानून–व्यवस्था बनाए रखने वाली पुलिस को अपना टूल बनाकर विपक्ष को परेशान करने में लगी हुई है, उसके खतरनाक परिणाम सामने आएंगे।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आज पूरे प्रदेश की कानून–व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। नशा पूरे प्रदेश में तांडव मचा रहा है। सरेआम लोगों की नशे के ओवरडोज से जानें जा रही हैं। प्रदेश में कहीं भी दिनदहाड़े गोलियां चल रही हैं। किसी स्कूल जाती बेटी का कोई गला काट ले जा रहा है तो किसी कार्यरत महिला की बेरहमी से स्कूल परिसर में ही हत्या हो रही है। कार्रवाई के नाम पर पुलिस सिर्फ खानापूर्ति करती नजर आती है। हिमाचल प्रदेश देवभूमि है, लेकिन यहां हो रही आपराधिक घटनाओं ने प्रदेश की छवि को भी नुकसान पहुंचाया है।

ऐसी घटनाएं इसलिए बढ़ रही हैं क्योंकि पुलिस प्रशासन का ध्यान कानून–व्यवस्था को चाक–चौबंद और मजबूत करने के बजाय अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने पर है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की पहचान एक शांतिप्रिय राज्य के रूप में है। पर्यटन यहां की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। यदि इसी तरह दिनदहाड़े गोलियां चलेंगी और कानून–व्यवस्था रसातल में चली जाएगी तो इसकी बड़ी कीमत प्रदेश को चुकानी होगी।

अतः मुख्यमंत्री से मेरा आग्रह है कि प्रदेश की कानून–व्यवस्था को चुस्त–दुरुस्त रखने के लिए प्रभावी कदम उठाएं और व्यवस्था में आ रही खामियों को दूर करें।

चुराह में सनसनी, शव मिलने के बाद परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

» प्रथम न्यूज । चम्बा
14 जून (एएम नाथ)

जिला चम्बा के चुराह क्षेत्र में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई जब चम्बा–तीसा मुख्य मार्ग पर स्थित कल्हेल पुल के नीचे एक 26 वर्षीय युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया, जबकि परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए सड़क पर चक्का जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने कल्हेल पुल के नीचे एक युवक को अचेत अवस्था में पड़ा देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

बाद में मृतक की पहचान हरविन्द्र सिंह पुत्र ऋषि निवासी गांव राख मलोगा, डाकघर कल्हेल, तहसील चुराह के रूप में हुई। जवान बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। परिजनों का आरोप है कि हरविन्द्र की साजिश के तहत हत्या की गई है और मामले की निष्पक्ष जांच के साथ

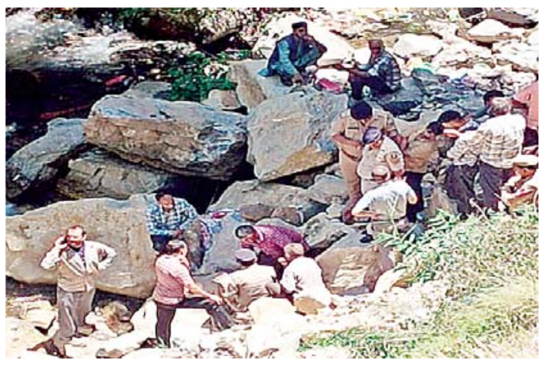

आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की जानी चाहिए।

आक्रोशित परिजनों ने अपनी मांगों को लेकर चम्बा–तीसा मार्ग पर चक्का जाम कर दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित हो गया। स्थिति को नियंत्रित करने और लोगों को शांत करने के लिए पुलिस अधिकारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम को बुलाया। विशेषज्ञों ने मौके का निरीक्षण कर विभिन्न साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हर पहलू से गहन जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में यदि किसी व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विद्यालय विद्यार्थियों को स्कूल की अध्यापिका ने अपने ही परिवार से दान करवा दी स्मार्ट स्कूल यूनिफॉर्म

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
14 जून (जितेंद्र गौतम)

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मजारी में कार्यरत प्रशिक्षित स्नातक अध्यापिका श्रीमति हरप्रीत कौर जो स्थानीय गांव मजारी में प्रतिष्ठित अटवाल परिवार से संबंध रखती है उनको इस शैक्षणिक सत्र से प्रधानाचार्य ने विभाग द्वारा चलाई गई स्कूल अडॉप्शन प्रोग्राम का प्रभारी नियुक्त किया, समिति के उद्देश्य को पूरा करने के लिए मैडम हरप्रीत कौर स्थानीय समाज को विद्यालय मजारी से जोड़ कर विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।

इसी कड़ी में अप्रैल माह में इनके प्रयासों से ही सेवानिवृत अध्यापक सरदार जगदेव सिंह ने विद्यालय के 22विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म के शूज प्रदान किए थे, अब नई स्मार्ट स्कूल यूनिफॉर्म के लिए कुछ अभिभावकों ने यूनिफार्म को खरीदने की असमर्थता जताई तो अडॉप्शन समिति प्रभारी ने इसका समाधान खोजने के चुपचाप प्रयत्न शुरू कर दिए, इस बार इन्होने समाज से सहयोग लेने से पहले अपने स्वयं के परिवार से स्कूल के कुछ यूनिफॉर्म लेने में असमर्थ बच्चों को यूनिफॉर्म दान करने की चर्चा प्रारंभ की जिसे इनके पति श्री मनजिंदर सिंह अटवाल और देवर मखन सिंह अटवाल ने तुरंत मान लिया, और इस वर्ष की सभी विद्यार्थियों को स्कूल यूनिफॉर्म अटवाल परिवार ने प्रदान भी कर दी। छोटे से यूनिफार्म वितरण समारोह में पहुंचे अटवाल बंधुओं ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन की रीढ़ होती है और विद्यालय इस रीढ़ को मजबूत बनाने के केंद्र अतः विद्यार्थियों को इस विद्यालय जीवन के समय का सदुपयोग कर अपने जीवन सहित इस राष्ट्र के जीवन को भी समृद्ध बनाने के लिए कठोर अनुशासन और कड़ी मेहनत करनी चाहिए, माता, पिता, गुरुजनों और अपने समाज के बड़े बजुर्गों की बातों का अनुसरण और उनके अनुभवों का लाभ लेने वाले बच्चे जीवन में कभी धोखा नहीं खाते अतः इनका सदा सम्मान करें। आज भले ही हमें आपकी मदद करने का अवसर मिला हो पर अगर आप बच्चे आज मेहनत करेंगे तो भविष्य में आप भी सफ़ल नागरिक बनकर ऐसे ही समाज की सेवा से किसी अन्य की मदद कर सकेंगे यही हमारे भारतीय संस्कार, परंपरा और संस्कृति हमें सिखाती है। विद्यालय प्रधानाचार्य सुरजीत ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग द्वारा स्कूल अडॉप्शन प्रोग्राम के अंतर्गत से स्थानीय समाज से बच्चों को आर्थिक सहयोग ही नहीं मिल रहा है, बल्कि कुछ उच्च शिक्षित युवा विद्यालय में कुछ अध्यापकों के रिक्तचल रहे पदों पर अपनी निःशुल्क सेवाएं भी प्रदान कर रहे हैं, प्रवक्ता इतिहास, प्रवक्ता हिंदी, प्रवक्ता राजनीतिक विज्ञान और संस्कृत विषय के पदों पर योग्यता प्राप्त चार स्थानीय निवासी निःशुल्क दो महीने से इस विद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं,अडॉप्शन समिति प्रभारी मैडम हरप्रीत कौर का इसमें बहुत बड़ा योगदान है प्रधानाचार्य ने उदार सोच के धनी एवं दानी सरदार मनजिंदर सिंह अटवाल और मखन सिंह अटवाल से भी इस मुहिम में हमारे विद्यालय का चयन करने के लिए धन्यवाद प्रदान किया और इसी प्रकार से प्रेरणा बन स्थानीय लोगों को इस पवित्र मुहिम से जुड़ने का आग्रह भी किया विद्यालय ने एक सादे समारोह में अटवाल बंधुओं को सिरोपा और समृति चिन्ह भेंट किया तथा समिति की प्रभारी मैडम हरप्रीत कौर के अमूल्य प्रयासों के लिए माता नैनादेवी की चुनरी और एक स्मृति चिन्ह भेंट कर सभी के उत्तम स्वस्थ और समृद्धि की कामना की इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य नीलम धीमान प्रवक्ता अंग्रेजी अनुराधा शर्मा, राजेश शर्मा, रेखा देवी, रेणु शर्मा , सतनाम कौर, सुमन ठाकुर,प्रमोद ठाकुर शैली अग्निहोत्री ,कश्मीर सिंह,राजिंदर सिंह, अमिता कुमारी, शीला,दर्शना,डिंपी सहित सभी विद्यालय अध्यापक व अन्य स्टॉफ उपस्थित रहा।

5 महीने और 3 शादियां... हर बार नया बहाना बनाकर फरार, हिमाचल में फैल रहा लुटेरी दुल्हन का नेटवर्क; चिंता में लोग

गलोड़ 14 जून (एएम नाथ) गलोड़ क्षेत्र में कथित फर्जी शादियों से जुड़े मामलों के लगातार सामने आने के बाद अब यह मामला केवल कानून–व्यवस्था तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। हाल के दिनों में सामने आए घटनाक्रमों ने विवाह योग्य युवाओं और उनके परिवारों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों के कारण रिश्तों को लेकर अविश्वास का माहौल बन रहा है, जिसका सीधा असर उन परिवारों पर पड़ रहा है जो अपने बेटों के लिए उपयुक्त जीवनसाथी की तलाश में जुटे हुए हैं। हाल ही में गलोड़ क्षेत्र में सामने आए एक मामले में आरोप लगाया गया है कि एक महिला ने मात्र पांच माह के भीतर तीन अलग–अलग शादियां कीं। आरोप है कि प्रत्येक बार वह मंदिर जाने अथवा किसी रिश्तेदार के निधन का बहाना बनाकर ससुराल से निकली और फिर वापस नहीं लौटी। इस मामले की जांच के दौरान हमीरपुर से लेकर बिलासपुर तक फैले कथित फर्जी दुल्हन नेटवर्क की आशंका भी जताई गई है। जांच आगे बढ़ने के साथ कई अन्य परिवार भी सामने आए हैं, जिन्होंने स्वयं को शादी के नाम पर ठगी का शिकार बताया है।

लोगों को ऐसे बना रहे शिकार : स्थानीय लोगों के अनुसार इन घटनाओं का प्रभाव अब पूरे क्षेत्र में महसूस किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि लगभग प्रत्येक गांव में 10 से 15 ऐसे युवक हैं जो शिक्षित, संस्कारी और नौकरीपेशा होने के बावजूद लंबे समय से विवाह के लिए उपयुक्त रिश्ते का इंतजार कर रहे हैं। निजी क्षेत्र में अच्छी आय अर्जित करने वाले युवाओं के परिवारों को भी रिश्तों की तलाश में लगातार प्रयास करने पड़ रहे हैं, लेकिन भरोसेमंद रिश्ते मिलना दिन–प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि पहले विवाह संबंध सामाजिक पहचान, पारिवारिक जानकारी और आपसी विश्वास के आधार पर तय किए जाते थे।

नड्डा जी का दो दिवसीय हिमाचल प्रवास भाजपा में नया उत्साह भर गया, कांग्रेस सरकार की चूलें हिल गईं – डॉ. राजीव बिंदल

कट मनी सरकार की सच्चाई जनता के सामने आई, नड्डा जी ने केंद्र के सहयोग और कांग्रेस के भ्रष्टाचार का पूरा लेखा-जोखा रखा

» प्रथम न्यूज । शिमला
14 जून (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय नेता, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा का दो दिवसीय हिमाचल प्रवास प्रदेश भाजपा कार्यकर्ताओं में नया उत्साह, नई ऊर्जा और नया आत्मविश्वास भर गया है। इस प्रवास ने न केवल संगठन को मजबूती प्रदान की बल्कि कांग्रेस सरकार और मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की विफलताओं को भी जनता के सामने उजागर कर दिया।

डॉ. बिंदल ने कहा कि नड्डा जी के दो दिवसीय प्रवास ने कांग्रेस पार्टी और प्रदेश सरकार की नींद उड़ा दी है। जिस प्रकार प्रदेशभर में जनता, कार्यकर्ताओं और विभिन्न वर्गों ने उनका स्वागत किया, उससे स्पष्ट हो गया कि हिमाचल की जनता का विश्वास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों में लगातार बढ़ रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस सरकार जनता का विश्वास खो चुकी है और इसी कारण उसके नेताओं में घबराहट स्पष्ट दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि नड्डा जी ने अपने प्रवास के दौरान तथ्यों और आंकड़ों के साथ यह बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश को विकास, आधारभूत ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, रेलवे, आपदा राहत और विशेष सहायता योजनाओं के माध्यम से अभूतपूर्व आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश को हजारों करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध करवाई, लेकिन कांग्रेस सरकार उस धनराशि का सही उपयोग करने में पूरी तरह विफल रही है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि नड्डा जी ने जिस प्रकार प्रदेश सरकार को कट मनी सरकार की संज्ञा दी, उसने कांग्रेस नेताओं को निरुत्तर कर दिया है। प्रदेश की जनता आज पूछ रही है कि केंद्र से आने वाले विकास के पैसे आखिर जा कहां रहे हैं? क्यों विकास कार्य ठप पड़े हैं? क्यों कर्मचारियों, पेंशनरों, युवाओं और विभिन्न वर्गों को बार–बार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है? क्यों हर क्षेत्र में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी की शिकायतें सामने आ रही हैं?

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आने से पहले बड़ी–बड़ी गारंटियां दी थीं, लेकिन आज प्रदेश की जनता स्वयं को ठगा हुआ महसूस कर रही है। रोजगार, विकास, निवेश, पर्यटन, उद्योग और जनकल्याण के क्षेत्र में कांग्रेस सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। प्रदेश का आर्थिक प्रबंधन चरमरा चुका है और सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए रोज नए बहाने खोज रही है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने प्रवास के दौरान संगठनात्मक बैठकों में भाजपा कार्यकर्ताओं के समर्पण, अनुशासन और मेहनत की सराहना की। उन्होंने पंचायती राज संस्थाओं तथा नगर निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार सफलता के लिए प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी नीतियों और भाजपा कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है।

डॉ. बिंदल ने कहा कि नड्डा जी का प्रवास केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि यह हिमाचल प्रदेश के विकास, संगठन की मजबूती और जनता के प्रति भाजपा की प्रतिबद्धता का संदेश था।

प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में जनता की भारी भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा के प्रति विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है और कांग्रेस सरकार के प्रति जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं द्वारा नड्डा जी के प्रवास के बाद दिए जा रहे बयान स्वयं इस बात का प्रमाण हैं कि नड्डा जी द्वारा उठाए गए मुद्दों और प्रस्तुत किए गए तथ्यों ने कांग्रेस सरकार को असहज कर दिया है। कांग्रेस के पास तथ्यों का जवाब नहीं है, इसलिए उसके नेता केवल राजनीतिक बयानबाजी का सहारा ले रहे हैं।

डॉ. बिंदल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश की जनता के हितों की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी और केंद्र सरकार द्वारा हिमाचल प्रदेश को दिए जा रहे सहयोग तथा कांग्रेस सरकार की विफलताओं को जनता के बीच लगातार उजागर करती रहेगी।

दीप्ति शर्मा के 5 विकेट, मंधाना की तूफानी पारी; भारत ने पाकिस्तान को चटाई धूल

उपकप्तान स्मृति मंधाना (68) की शानदार अर्धशतकीय पारी और रिचा घोष (34) की विस्फोटक बल्लेबाजी के बाद दीप्ति शर्मा के 5 विकेट की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार को विमंस टी-20 विश्व कप 2026 के अपने पहले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 64 रन से हराया।

विश्व कप में पाकिस्ता के खिलाफ भारत की यह सबसे बड़ी जीत है। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने छह विकेट पर 170 रन बनाए थे। जवाब में पाकिस्तान टीम 17 ओवर में 106 रन पर ढेर हो गई।

शेफाली ने छक्के से की शुरुआत

बर्मिंघम के एजबेस्टन में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शेफाली वर्मा ने पहली ही गेंद पर छक्का लगाया, लेकिन उसी ओवर में छह रन बनाकर आउट हो गईं। इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स भी सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गईं।

18 रन पर दो विकेट गिरने के बाद भारतीय टीम दबाव में नजर आ रही थी। ऐसे मुश्किल समय में स्मृति मंधाना और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 91 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

मंधाना ने लगाई फिफ्टी

पावरप्ले के बाद दोनों बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का शानदार संतुलन दिखाया। मंधाना ने अपनी खूबसूरत बल्लेबाजी से दर्शकों का दिल जीत लिया। उन्होंने 44 गेंदों में 68 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और दो छक्के शामिल रहे। उन्होंने सिर्फ 34 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। पाकिस्तान ने उन्हें दो जीवनदान भी दिए और मंधाना ने इसका पूरा फायदा उठाया।

हरमनप्रीत ने दिया साथ

हरमनप्रीत ने 35 गेंदों में 36 रन की धीमी लेकिन उपयोगी पारी खेली। हालांकि दोनों के आउट होने के बाद भारत की पारी थोड़ी लड़खड़ा गई। भारती फुलमाली बिना खाता खोले आउट हो गईं और कप्तान हरमनप्रीत भी ज्यादा देर टिक नहीं सकीं।

अंतिम ओवरों में विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष ने मैच का रुख बदल दिया। ऋचा ने सिर्फ 17 गेंदों में 34 रन ठोक दिए। खासकर पारी के 19वें ओवर में बाएं हाथ की तेज गेंदबाज तास्मिया रुबाब के खिलाफ 23 रन बटोरकर उन्होंने भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। भारत ने अंतिम दो ओवरों में 38 रन जोड़े।

दीप्ति ने कराई भारत की वापसी

171 रन चेज करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत शानदार रही। इस दौरान भारतीय टीम ने कुछ कैच भी छोड़े। गुल फिरोजा और मुनीबा अली सिद्दीकी के बीच 38 रन की ओपनिंग साझेदारी हुई। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान को 2 झटके दिए। 5वें ओवर में उन्होंने गुल (12) को और 7वें ओवर में आयशा जफर (12) को पवेलियन भेजा। अगले ही ओवर में श्रीचरणी ने सायरा जबीन (2) का शिकार किया।

फिफ्टी की ओर बढ़ रहीं सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली (41) की पारी पर भी दीप्ति शर्मा ने ब्रेक लगाया। शानदार थ्रो पर दीप्ति ने मुनीबा को रन आउट किया। कप्तान फातिमा सना का तो खाता ही नहीं खुला। नतालिया परवेज (7) और रमीन शमीम (4) भी सस्ते में आउट हुईं। 17वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने पाकिस्तान को 3 झटके देकर पंजा खोला। उन्होंने दूसरी गेंद पर आलिया रियाज, चौथी गेंद पर तस्मिया रुबाब और आखिरी गेंद पर नशरा सुन्धु का शिकार किया। दीप्ति ने 4 ओवर में 10 रन देकर 5 सफलताएं प्राप्त कीं। श्रीचरणी के खाते में 3 विकेट आए।

भारत के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले गुरबाज ने गंभीर को क्यों दिया श्रेय ? तोड़ डाले कई रिकॉर्ड

अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने शनिवार को भारत के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में 51 गेंदों में 102 रन की तूफानी पारी खेली। इस शानदार पारी का श्रेय अफगानिस्तान के इस बल्लेबाज ने टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर को दिया है। गुरबाज ने बताया कि न्यू चंडीगढ़ में हुए टेस्ट मैच के बाद गौतम गंभीर के साथ हुई बातचीत से उन्हें अपने शॉट चयन को बेहतर बनाने में मदद मिली। गुरबाज ने इस पारी में आठ छक्के और इतने ही चौके लगाए। शानदार शॉट्स खेलते हुए गुरबाज ने सिर्फ 48 गेंदों में अपना नौवां वनडे शतक पूरा किया, जो किसी अफगानी बल्लेबाज का सबसे तेज वनडे शतक था।

गुरबाज ने कहा, भारत के खिलाफ टेस्ट मैच के बाद मेरी गौतम गंभीर सर के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई थी। उस चर्चा से मुझे सच में मदद मिली। मैंने नेट्स में उन सुझावों पर काम किया और मैं उस मार्गदर्शन के लिए बहुत आभारी हूं। जब टेस्ट मैच खत्म हुआ, तो मैंने उनसे कहा कि मैं अपने शॉट चयन को बेहतर बनाना चाहता हूं। उन्होंने कुछ अच्छे सुझाव दिए और मैं उन्हें लागू कर पाया। मैंने बस सकारात्मक खेलने की कोशिश की और यह मेरे लिए कारगर रहा।

डेब्यू पर चमके बरार और हर्ष

गुरबाज की शानदार पारी के बावजूद, भारत के डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों गुरनूर बरार और हर्ष दुबे ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह ने दो विकेट लिए जिससे भारतीय टीम यह मुकाबला जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त लेने में सफल रही। अफगानिस्तान की टीम 24.5 ओवर में 194 रन पर ऑलआउट हो गई। इसके जवाब में भारत ने 22.5 ओवरों में सात विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया।

ब्राजील का रिकॉर्ड बरकरार, 88 साल से वर्ल्ड कप में पहला मैच नहीं हारा

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप सी में ब्राजील ने अपना पहला मैच मोरक्को के खिलाफ खेला. दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला न्यू जर्सी के ईस्ट रदरफोर्ड में न्यू यॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला गया. ब्राजील और मोरक्को के बीच मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा. मुकाबले ड्रॉ पर खत्म होने के साथ ही ब्राजील ने फीफा वर्ल्ड कप में 88 साल से चले आ रहे पहला मैच ना हारने के अपने रिकॉर्ड को भी बरकरार रखा. ब्राजील को फीफा वर्ल्ड कप के अपने ओपनिंग मैच में आखिरी हार 1934 में स्पेन के खिलाफ 1-3 से मिली थी. लेकिन, उसके बाद 1938 से 2026 के बीच 88 सालों में ब्राजील ने फीफा वर्ल्ड कप में अपना कोई भी ओपनिंग मैच नहीं गंवाया.

ब्राजील और मोरक्को के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ : न्यू यॉर्क न्यू जर्सी स्टेडियम में ब्राजील की टीम नेमार के बिना खेलने उतरी थी. नेमार इंजरी के चलते इस मैच से बाहर रहे. नेमार के बिना खेल रही ब्राजील के खिलाफ मोरक्को ने तेज शुरुआत की, जिसका फायदा भी उसे मैच के 21वें मिनट में मिला जब इस्माइल साइबेरी ने गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई. उस गोल के बाद ब्राजील ने भी अपने रुख में बदलाव किया और गेम में थोड़ी तेजी लाई. ब्राजील ने मोरक्को के गोलपोस्ट पर हमले करने के प्रयास शुरू कर दिए और आखिरकार मैच के 32वें मिनट उसे सफलता भी मिल गई. ब्राजील के लिए विनसियस जूनियर ने गोल दागकर मैच को 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया. इसके बाद मैच के पहले हाफ में 4 और मिनट जोड़े गए मगर नतीजा 1-1 का ही रहा.

मुकाबले का रोमांच इतना ज्यादा था कि खुद फीफा अध्यक्ष भी उसका लुत्फ उठाने में पीछे नहीं दिखे. हालांकि, दोनों टीमों के बीच दूसरा हाफ में फिर कोई गोल देखने को नहीं मिला, जिससे मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ और दोनों टीमों को अंक बांटने पड़े.

88 साल से पहला मैच नहीं हारा ब्राजील

बहरहाल, ब्राजील ने मोरक्को से ड्रॉ खेलकर 88 साल से पहला मैच ना गंवाने के अपने सिलसिले को भी बरकरार रखा. ब्राजील ने 1938 से 2026 के फीफा वर्ल्ड कप तक अपना पहला मैच कभी नहीं गंवाया. इन 88 सालों में खेले अपने 21 ओपनिंग मैच में ब्राजील ने 17 जीते हैं और 4 ड्रॉ किए हैं. वहीं 48 गोल दागे हैं और 18 गोल खाए भी हैं.

ड्रॉ खेलने के बाद आगे बड़ी जीत की दरकार

2026 के फीफा वर्ल्ड कप के ग्रुप सी में ड्रॉ खेलने के बाद ब्राजील और मोरक्को के लिए अब अगले दो मुकाबले अहम हो गए हैं. दोनों टीमों को अगले राउंड में जाने के लिए वो दोनों मुकाबले अच्छे अंतर से जीतने पड़ सकते हैं.

1938 से 2026 तक वर्ल्ड कप के पहले मैच में ब्राजील

ब्राजील ने अपने ओपनिंग मैच में 1938 फीफा वर्ल्ड कप में पोलैंड को 6-5 से हराया था. 1950 के फीफा वर्ल्ड कप में मेक्सिको को 4-0 से हराया. 1954 में फिर से मेक्सिको को 5-0 से हराया. 1958 में ऑस्ट्रिया को 3-0 से हराया. 1962 में मेक्सिको को 2-0 से हराया. 1966 के फीफा वर्ल्ड कप में बुल्गारिया को 2-0 से हराया. 1970 में चेकोस्लावाकिया को 4-1 से हराया. 1970 फीफा वर्ल्ड कप में अपना ओपनिंग मैच युगोस्लाविया के साथ 0-0 से ड्रॉ खेला. 1978 में स्वीडन के साथ अपना पहला मैच 1-1 से ड्रॉ खेला. 1982 में सोवियत यूनियन को 2-1 से हराया. 1986 के फीफा वर्ल्ड कप में खेले अपने पहले मैच में स्पेन को 1-0 से हराया. 1990 में स्वीडन को 2-1 से और 1994 में रूस को 2-0 से हराया. 1998 के फीफा वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच स्कॉटलैंड से 2-1 से जीता और 2001 में भी नतीजा तुर्की के खिलाफ भी 2-1 से उसके नाम रहा.

2006 के फीफा वर्ल्ड कप में अपना पहला मैच क्रोएशिया से1-0 से जीता. 2010 में नॉर्थ कोरिया के खिलाफ खेला पहला मैच 2-1 से जीता. 2014 के वर्ल्ड कप में फिर से क्रोएशिया को ही अपने पहले मैच में 3-1 से हराया. वहीं 2018 में स्विटजरलैंड के साथ मुकाबला 1-1 से बराबर रहा. 2022 के फीफा वर्ल्ड कप में पहला मैच सर्बिया से 2-0 से जीता और अब 2026 में मोरक्को के खिलाफ भी अपना पहला मैच नहीं हारा और 1-1 से ड्रॉ खेला.

गर्मी और लू के चलते गन्ने की फसल को आवश्यकतानुसार पानी लगाएं : केन कमिश्नर

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

14 जून (संदीप सन्नी)

हर साल जून-जुलाई महीने के दौरान सहकारी और निजी चीनी मिलों द्वारा गन्ने की फसल का सर्वे किया जाता है ताकि गन्ने के तहत आने वाले रकबे का जायजा लिया जा सके और उसी के अनुसार कैलेंडर निर्धारित किया जा सके। सहकारी चीनी मिल गुरदासपुर द्वारा चल रहे सर्वे कार्य का जायजा लेने के लिए पंजाब के गन्ना कमिश्नर (केन कमिश्नर) डॉक्टर अमरीक सिंह ने सीमावर्ती गांवों जोगर, मराड़ा, बाहमणी और मकौड़ा का दौरा किया।

दौरे के दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत की और गन्ने की फसल से संबंधित उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया। इस दौरान पंजाब सरकार द्वारा समय पर गन्ने का भुगतान करने के लिए गन्ना उत्पादक किसानों ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का धन्यवाद किया। इस अवसर पर डॉ. मित्र मान सिंह (कृषि विकास अधिकारी, गन्ना), बिक्रमजीत सिंह खैहरा (मुख्य गन्ना विकास अधिकारी), मनदीप सिंह और बड़ी संख्या में गन्ना काश्तकार (किसान) उपस्थित थे।

फसल की देखभाल और सिंचाई पर विशेष जोर : गांव मराड़ा में गन्ना काश्तकारों से बातचीत करते हुए डॉ. अमरीक सिंह ने कहा कि मूढ़ी फसल के रखरखाव पर सही समय पर ध्यान न देने से पैदावार घटती है, जिससे किसानों और चीनी मिलों दोनों को आर्थिक नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अत्यधिक गर्मी और लू को देखते हुए गन्ने की फसल को 10 से 15 दिनों के अंतराल पर पानी देते रहना चाहिए, ताकि पानी की कमी के कारण फसल प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि गन्ने की अच्छी गुणवत्ता और अधिक पैदावार के लिए पेड़ी फसल का प्रबंधन बेहद जरूरी है। यदि शुरुआती चरण में इसकी सही देखभाल न की जाए, तो पैदावार के साथ-साथ चीनी की रिकवरी भी घट जाती है।

कीटों से बचाव के उपाय और तकनीकी सलाह : डॉ. अमरीक सिंह ने बताया कि गन्ने की फसल को कीटों से बचाने के लिए निरंतर निरीक्षण की आवश्यकता है। दौरे के दौरान यह देखा गया कि गन्ने की फसल, विशेषकर पेड़ी की फसल पर अगेती सूंडी का हमला हुआ है, लेकिन किसानों को घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि इस कीट का हमला अभी आर्थिक नुकसान के स्तर से नीचे है।

कीट नियंत्रण के लिए उन्होंने निम्नलिखित उपाय साझा किए : शुरुआती हमला– चीनी मिलों द्वारा किसानों को दिए जा रहे ट्राइको कार्ड लगाकर इसके शुरुआती हमले को कम किया जा सकता है। अधिक हमला होने पर– यदि कीट का हमला ज्यादा है, तो 10 किलो फिप्रोनिल प्रति एकड़ को 20 किलो सूखी मिट्टी में मिलाकर गन्ने की लाइनों के साथ-साथ बिखेर देना चाहिए और बाद में पानी लगा देना चाहिए।

आधे घंटे की बारिश में डूबा जालंधर, मनजीत सिंह टीटू ने नगर निगम को घेरा

» प्रथम न्यूज । जालंधर

14 जून (शैली अल्बर्ट)

आज हुई दो घंटे और कल हुई मात्र आधे घंटे की बारिश ने जालंधर शहर में सीवरेज और सफाई व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। शहर की मुख्य सड़कों, बाजारों और रिहायशी इलाकों में जलभराव होने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा, जबकि कई स्थानों पर सीवरेज का गंदा पानी घरों और दुकानों तक पहुंच गया, जिससे लोगों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा। और वहां ही जालंधर शहर की मकसूदां सब्ज़ी मंडी भी बारिश से भर गई, जिस से सब्ज़ी बेचने और खरीदने वालों को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस मामले को लेकर नगर निगम कमिश्नर संदीप ऋषि को घेरते हुए पार्षद एवं विपक्ष के नेता मनजीत सिंह टीटू ने नगर निगम के प्रबंधों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि निगम हर वर्ष सीवरेज की सफाई, अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती तथा करोड़ों रुपये की लागत से आधुनिक मशीनें खरीदने के बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन एक मामूली बारिश ने इन सभी दावों की वास्तविकता जनता के सामने ला दी है। एडवोकेट अमित सिंह संधा ने कमिश्नर से मांग की कि वेस्ट विधानसभा क्षेत्र को 3-4 छोटी नावें उपलब्ध करवाई जाएं, ताकि इस मानसून के दौरान लोगों का जीवन आसान हो सके और आवागमन में सुविधा रहे।

मनजीत सिंह टीटू ने कहा कि जब अभी मानसून की शुरुआत भी नहीं हुई है और शहर की यह स्थिति है, तो आने वाले दिनों में लगातार बारिश के दौरान हालात और भी भयावह हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच यह चर्चा भी है कि आम आदमी पार्टी के चुनाव हार चुके कई उम्मीदवारों को 3-3 सीवरमैन तैनात किए गए हैं। यदि यह सच है तो यह गंभीर जांच का विषय है कि जब शहर पानी और सीवरेज की समस्या से जूझ रहा था, तब ये कर्मचारी कहां थे।

उन्होंने मांग की कि शहर के सीवरेज सिस्टम की तुरंत युद्धस्तर पर सफाई करवाई जाए, सीवरेज सफाई के लिए खरीदी गई मशीनों की वर्तमान स्थिति और उन पर हुए खर्च का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए तथा जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

मनजीत सिंह टीटू कहा कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो मानसून के दौरान जालंधर के हालात और भी बदतर हो सकते हैं तथा लोगों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस अवसर पर एडवोकेट अमित सिंह संधा, कृष्ण मीनिया, सरताज सिंह, प्रभाकर, सुरिंदर शर्मा और पंकज बाबा भी उपस्थित थे।

कंगना रनौत व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एएसआई शिवानी भला को किया सम्मानित

» प्रथम न्यूज । पंचकूला

14 जून (पुनीत महाजन)

पंचकूला पुलिस की महिला सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) शिवानी भला को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों, जनसेवा और कोविड-19 महामारी के दौरान किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान चंडीगढ़ में आयोजित फिल्म भारत भाग्य विधाता की विशेष स्क्रीनिंग एवं प्रमोशनल कार्यक्रम के दौरान बॉलीवुड अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदान किया। कोविड-19 महामारी के दौरान एएसआई शिवानी भला ने जरूरतमंद परिवारों, अकेले रह रहे वरिष्ठ नागरिकों और असहाय लोगों तक भोजन एवं आवश्यक सामग्री पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने एक गर्भवती महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उसकी सहायता भी की। उनके मानवीय प्रयासों से पुलिस और जनता के बीच विश्वास और मजबूत हुआ। वर्तमान में शिकायत प्रभारी के रूप में कार्यरत शिवानी भला नशा मुक्ति अभियान में भी सक्रिय हैं। वह गांव-गांव जाकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर रही हैं तथा प्रभावित लोगों को परामर्श देकर नशा मुक्ति केंद्रों तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम में कंगना रनौत ने कहा कि समाज और देश की सेवा करने वाले कर्मवीर नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं। वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुलिस, स्वास्थ्य कर्मियों और अन्य फ्रंटलाइन वर्कर्स को समाज की वास्तविक ताकत बताते हुए उनके योगदान की सराहना की। एएसआई शिवानी भला की कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक प्रतिबद्धता समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है।

माहिलपुर में हीरा क्लिनिक लैब की नई शाखा का शानदार उद्घाटन

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर

14 जून (तरसेम दीवाना)

होशियारपुर की प्रसिद्ध हीरा क्लिनिक लैब द्वारा माहिलपुर के इलाका निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए होशियारपुर-चंडीगढ़ रोड पर स्थित गुरु कृपा मार्केट के सामने अपनी हीरा क्लिनिक लैब की नई शाखा का शानदार उद्घाटन किया गया। इस शुभ अवसर पर सबसे पहले सुबह श्री सुखमनी साहिब जी के पाठ के भोग डाले गए, जिसके उपरांत रागी जत्थे द्वारा गुरबानी का रसभरा कीर्तन करके संगत को निहाल किया गया।

जर्मनी की आधुनिक और स्वचालित मशीनों से लैस - इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉक्टर एस. के. हीरा ने बताया कि होशियारपुर की तरह माहिलपुर ब्रांच में भी सभी मशीनें जर्मनी की और पूरी तरह से स्वचालित हैं। उन्होंने कहा कि माहिलपुर और आसपास के इलाकों से बहुत से मरीज टेस्ट करवाने के लिए होशियारपुर आते थे। मरीजों की सुविधा और उनके समय की बचत को मुख्य रखते हुए ही यह नई ब्रांच खोलने का फैसला किया गया है।

एक ही छत के नीचे सभी टेस्ट और दरों में बड़ी छूट

डॉक्टर हीरा ने विशेष तौर पर बताया कि - अब मरीजों को किसी भी तरह के टेस्ट के लिए जालंधर या किसी अन्य बड़े शहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लैब में सभी जरूरी टेस्ट एक ही जगह पर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि आम प्रयोगशालाओं के मुकाबले यहां टेस्टों के दरों में काफी बड़ी छूट (रियायत) दी गई है, ताकि गरीब और जरूरतमंद लोग भी इसका लाभ उठा सकें। डॉ. डॉक्टर एस. के. हीरा ने विशेष तौर पर बताया कि हीरा क्लिनिक लैब NABL मान्यता प्राप्त है। इसके आगे डॉक्टर हीरा ने बताया कि तमाम टेस्टों के कंट्रोल रोजाना लगाए जाते हैं।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की मिलेगी निगरानी

उन्होंने बताया कि माहिलपुर में हीरा लैब गुरु कृपा मार्केट के सामने होशियारपुर -चंडीगढ़ रोड पर खोली गई है। उन्होंने बताया कि यहां डॉ. एस. के. हीरा एम. डी. पैथोलॉजी, डॉ. सौरव हीरा एम. डी. पैथोलॉजी और डॉ. गरिमा एम. डी. पैथोलॉजी अपनी सेवाएं देंगे। इस मौके पर संत सतनाम दास गज्जड़ महदूद वाले, डॉ. जे. पी. एस. बेंस, डॉ. जे. एस. सैनी, डॉ. जे. एस. थिंद, डॉ. दिलबाग राय पूर्व एस. एम. ओ. राउ कैन्दोवाल, डॉ. बलजिंदर कुमार एम. एस. सर्जरी माहिलपुर, डॉ. हरदीप, डॉ. बलजिंदर भाम, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. हरनूर सिंह, डॉ. उदित शर्मा, डॉ. मनमोहन सिंह (अवतार अस्पताल), डॉ. मनजोत, डॉ. सुरिंदर, डॉ. कमलजीत, ठाकुर मख्खन सिंह और ठेकेदार भगवान दास सिद्धू आदि हाजिर थे।

पितरों की मुक्ति का खास अवसर, जानें तीन साल में आने वाली अधिकमास श्राद्ध अमावस्या की तिथि

हिंदू पंचांग में अधिकमास का विशेष धार्मिक महत्व माना गया है। इसे पुरुषोत्तम मास के नाम से भी जाना जाता है और इसका संबंध भगवान विष्णु से माना जाता है।

यह पवित्र महीना लगभग हर तीन वर्ष में एक बार आता है, इसलिए इस दौरान आने वाली अमावस्या भी बेहद खास मानी जाती है। मान्यता है कि इस दिन किए गए पूजा-पाठ, तर्पण और श्राद्ध कर्म से पितरों को शांति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

कब है अधिकमास की अमावस्या?

हालांकि इस वर्ष तिथियों के विशेष संयोग के कारण अधिकमास की अमावस्या और श्राद्ध अमावस्या अलग-अलग दिनों में पड़ रही है। पंचांग के अनुसार, अधिकमास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 14 जून को दोपहर 12:19 बजे से शुरू होकर 15 जून की सुबह 08:23 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर अमावस्या 15 जून को मानी जाएगी, लेकिन उस दिन श्राद्ध कर्म करना संभव नहीं होगा।

पिंडदान, ब्राह्मण भोज का समय

जो लोग इस दिन पिंडदान, ब्राह्मण भोजन या अन्य धार्मिक अनुष्ठान करना चाहते हैं, दोपहर 12:19 बजे के बाद इन कार्यों की शुरुआत कर सकते हैं। बेहतर होगा कि ये सभी कार्य दोपहर 02:30 बजे तक पूर्ण कर लिए जाएं, क्योंकि यह समय श्राद्ध के लिए शुभ माना गया है।

तर्पण की विधि

तर्पण की विधि भी इस दिन विशेष महत्व रखती है। स्नान के बाद अमावस्या तिथि में हाथ में जल और काले तिल लेकर कुशा के माध्यम से पितरों को तर्पण देना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कुशा के बिना किया गया तर्पण पितरों तक नहीं पहुंचता, बल्कि अन्य अतृप्त आत्माएं उसे ग्रहण कर लेती हैं।

अमावस्या का महत्व

श्राद्ध अमावस्या का महत्व अत्यंत गहरा है। मान्यता है कि इस दिन पितर पितृलोक से पृथ्वी पर आते हैं और अपनी संतानों से तर्पण व श्राद्ध की अपेक्षा करते हैं। जब उन्हें संतुष्टि मिलती है, तो वे अपने वंशजों को सुख, समृद्धि और उन्नति का आशीर्वाद देते हैं। वहीं, जो लोग इस दिन पितरों का सम्मान नहीं करते, उन्हें पितृ दोष का सामना करना पड़ सकता है।

किस दिन किए जाएंगे श्राद्ध, तर्पण और अन्य कर्म?

पितरों का श्राद्ध आमतौर पर दोपहर के समय, लगभग 11 बजे के बाद किया जाता है। 15 जून को अमावस्या तिथि सुबह ही समाप्त हो रही है और इसके बाद शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा शुरू हो जाएगी। ऐसे में उस दिन श्राद्ध करना शास्त्रसम्मत नहीं माना जाता। वहीं 14 जून को अमावस्या तिथि दोपहर में प्रारंभ हो रही है, इसलिए इसी दिन श्राद्ध अमावस्या मानी जाएगी और पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण और अन्य कर्म किए जा सकते हैं।

बिहार का पारंपरिक अदरा पर्व : जानिए इसका महत्व, तिथि और थाली की खास परंपरा

आर्द्रा को सिर्फ पर्व कहना गलता होगा, क्योंकि यह प्रकृति, कृषि से जुड़े कार्य, आस्था और पारिवारिक एकता का प्रतीक है। मान्यता है कि, आर्द्रा नक्षत्र के आने के साथ ही वर्षा ऋतु की शुरुआत हो जाती है और किसान अपने-अपने खेतों में फसल की तैयारी शुरू करते हैं।

हिंदू पंचांग के मुताबिक, वर्षा ऋतु से संबंध रखने वाली आर्द्रा नक्षत्र हर साल 22 जून से 6 जुलाई तक रहता है। इस दौरान सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश करता है, जिससे देशभर में मानसून के आगमन की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

आर्द्रा का मतलब समझे : आसान भाषा में कहें तो आर्द्रा का मतलब नमी होता है, जो धरती पर जीवन के लिए सबसे जरूरी है। आकाशमंडल में आर्द्रा छठें नंबर का नक्षत्र है। आमतौर पर भारत में जून महीने के तीसरे सप्ताह में आर्द्रा नक्षत्र की शुरुआत हो जाती है। इस नक्षत्र को बारिश और किसानी से जुड़े कार्यों के लिए खास माना जाता है। बिहार में आर्द्रा पर्व का खास महत्व है। स्थानीय लोग इसे अदरा कहकर बुलाते हैं। आर्द्रा नक्षत्र शुरुआत होने पर बिहार में लोग अदरा थाली से जुड़ी खास परंपरा को निभाते हैं। इस विशेष थाली में दाल-पुरी, खीर, मालदा आम और विभिन्न तरह के पारंपरिक सब्जियां परोसी जाती है। खीर और दाल-पूरी का भोग भगवान को अर्पित किया जाता है। इसके बाद पूरे परिवार और रिश्तेदारों के साथ प्रसाद स्वरूप ग्रहण किया जाता है।

आर्द्रा नक्षत्र के बाद से ही आम का मौसम खत्म होने लगता है, जिस वजह से इस खास दिन मालदा आम खाने की परंपरा निभाई जाती है। बिहार में यह एकता सिर्फ स्वाद मात्र नहीं, बल्कि पारिवारिक एकता और सामाजिक मेल-जोल की भावना को बल देती है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, आर्द्रा नक्षत्र के अधिष्ठाता देव भगवान शिव को माना जाता है। इस खास मौके पर भगवान शिव, इंद्र देव और कुलदेवी-देवता की पूजा की जाती है, ताकि साल भर अच्छी वर्षा, समृद्ध फसल और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहे।

मिथिलांचल के कई हिस्सों में सामूहिक रूप से गमैया की पूजा की जाती है। इसके अलावा गांव के लोग मिलकर पूजा-अर्चना और सामूहिक भोज का आनंद उठाते हैं।

रात के किस पहर में देखा गया सपना होता है सच?

हम सभी नींद में तरह-तरह के सपने देखते हैं। कुछ सपने मन को प्रसन्न कर देते हैं, तो कुछ हमें लंबे समय तक सोचने पर मजबूर कर देते हैं। स्वप्न शास्त्र में सपनों का विशेष महत्व बताया गया है।

मान्यता है कि, हर सपना कोई न कोई संकेत लेकर आता है, जो भविष्य में मिलने वाले अवसरों, चुनौतियों या जीवन में होने वाले महत्वपूर्ण बदलावों की ओर इशारा कर सकता है। वहीं, सपनों के सच होने का समय भी उनके देखे जाने के पहर पर निर्भर माना जाता है। आइए जानते हैं कि रात के किस पहर में देखा गया सपना कब फल देता है और उसका जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

पहला पहर -रात 7 बजे से 10 बजे तक

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रात के पहले पहर में देखे गए सपनों का प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर पड़ सकता है, लेकिन इनके फलित होने में काफी समय लग सकता है। ऐसे सपने अक्सर लंबे समय बाद सच होते हैं और इनके परिणाम धीरे-धीरे सामने आते हैं। इसलिए इस समय देखे गए सपनों को भविष्य के दूरगामी संकेतों से जोड़कर देखा जाता है।

दूसरा पहर - रात 10 बजे से 1 बजे तक

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस समय देखे गए सपनों को भी महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि, ऐसे सपने कुछ महीनों के भीतर फल दे सकते हैं। इनके प्रभाव का अनुभव व्यक्ति को धीरे-धीरे होने लगता है और जीवन में आने वाले बदलावों के संकेत भी मिलने लगते हैं।

तीसरा पहर - रात 1 बजे से 3 बजे तक

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, तीसरे पहर में देखे गए सपनों के सच होने की संभावना अधिक मानी जाती है। कहा जाता है कि इस समय दिखाई देने वाले सपने जल्दी फल दे सकते हैं।

चौथा पहर - सुबह 3 बजे से 6 बजे तक

हिंदू धर्म में ब्रह्म मुहूर्त को अत्यंत शुभ और प्रभावशाली समय माना गया है। मान्यता है कि, इस दौरान देखे गए सपने सबसे जल्दी फलित हो सकते हैं और व्यक्ति के जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ते हैं।

15 जून को खत्म हो रहे मलमास

25 जुलाई से पहले निपटा लें सभी शुभ कार्य

अभी अधिकमास चल रहा है. ये मास हर तीन साल में आता है. अब इस मास के खत्म होने में भी ज्यादा समय नहीं रह गया है. इस ज्येष्ठ अधिकमास का समापन 15 जून को हो जाएगा. ये मास 17 मई से शुरू हुआ था. अधिकमास को पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है, क्योंकि ये मास भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित किया गया है. इस मास को मलमास भी कहा जाता है.

मलमास का महीना स्नान-दान, जप, तप और साधना के लिए होता है. इस माह में इन कामों को करने से बहुत अधिक पुण्य प्राप्त होता है. इस माह शादी-विवाह, सगाई, नामकरण, मुंडन संस्कार और गृह प्रवेश जैसे शुभ और मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं, क्योंकि ये समय सांसारिक सुखों से दूरी बनाने का होता है. हालांकि, 15 जून को मलमास के खत्म होते ही शुभ और मांगलिक फिर से शुरू हो जाएंगे, लेकिन 25 जुलाई से पहले सभी शुभ और मांगलिक काम कर लें.

मलमास खत्म होने के बाद के विवाह मुहूर्त : मलमास के समापन के साथ ही 19 जून से शुभ और मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाएगी. ज्योतिषचार्यों के अनुसार, 19 जून से विवाह के लिए शुभ मुहूर्त हैं. मलमास के बाद जून में 19, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28 और 29 तारीख को विवाह के मुहूर्त हैं.

वहीं अगले महीने यानी जुलाई में विवाह के लिए कुल 4 शुभ मुहूर्त उपलब्ध हैं. इस माह में 01 जुलाई, 06 जुलाई, 07 जुलाई और 11 जुलाई को विवाह होंगे.

चातुर्मास का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में चातुर्मास का विशेष महत्व है. चातुर्मास में कई महत्वपूर्ण व्रत-त्योहार पड़ते हैं. चातुर्मास वो अवधि होती है, जब जगत के पालनहार भगवान श्रीहरि विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं. चातुर्मास चार महीनों का होता है. चूंकि इस दौरान भगवान योगनिद्रा और विश्राम अवस्था में रहते हैं, इसलिए चातुर्मास में शुभ और मांगलिक काम नहीं किए जाते हैं. चातुर्मास की शुरुआत देवशयनी एकदशी से होती है और इसका समापन देवउठनी एकादशी के दिन होता है.

25 जुलाई से नहीं होंगे शुभ काम

पंचांग के अनुसार, साल 2026 में चातुर्मास का आरंभ 25 जुलाई, शनिवार को आषाढ़ शुक्ल पक्ष की देवशयनी एकदशी से होगा. यह पवित्र अवधि करीब 119 दिनों तक चलेगी और 20 नवंबर, शुक्रवार को कार्तिक शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी के साथ ही इसका समापन होगा. चूंकि, 25 जुलाई से चातुर्मास शुरू हो जाएगा. इसलिए इसके बाद कोई भी शुभ और मांगलिक काम नहीं किया जा सकेगा. यही वजह है कि पंडित और ज्योतिषविद 25 जुलाई से पहले शुभ और मांगलिक काम निपटाने की सलाह दे रहे हैं.

नए घर में प्रवेश से पहले अपनाएं ये वास्तु उपाय, सकारात्मक ऊर्जा से भर जाएगा घर

वास्तु शास्त्र का हमारे जीवन में खास महत्व होता है। क्योंकि अगर हमारा घर वास्तु के अनुरूप बना हो तो जीवन में सुख- समृद्धि बनी रहती है। साथ ही अगर घर का कार्यस्थल वास्तु के अनुरूप नहीं बना हो तो व्यक्ति को जीवन में दरिद्री का सामना करना पड़ता है। वहीं यहां हम बात करने जा रहे हैं ऐसे उपायों के बारे में, जो नए घर में शिफ्ट करते समय करने चाहिए। क्योंकि नया घर सिर्फ ईंट और पत्थरों का ढांचा नहीं होता, बल्कि यह परिवार की खुशियों और सुख-शांति का स्थान होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, नए घर में प्रवेश करने से पहले कुछ खास उपाय अपनाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मकता दूर रहती है। माना जाता है कि सही दिशा, पूजा-पाठ और शुभ कार्यों के साथ गृह प्रवेश करने से परिवार को सुख-समृद्धि और तरक्की का आशीर्वाद मिलता है। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

शुभ मुहूर्त में करें गृह प्रवेश

वास्तु शास्त्र में गृह प्रवेश के लिए शुभ तिथि और मुहूर्त का विशेष महत्व बताया गया है। बिना शुभ समय के घर में प्रवेश करने से वास्तु दोष बढ़ सकते हैं। इसलिए पंडित या ज्योतिषाचार्य से शुभ मुहूर्त निकलवाकर ही गृह प्रवेश करना बेहतर माना जाता है।

घर का मुख्य द्वार की हो ये दिशा

वास्तु शास्त्र अनुसार मकान का निर्माण करवाते समय या बना हुआ घर लेते वक्त इस बात का ख्याल जरूर रखें कि उसका मुख्य द्वार उत्तर, पूर्व या उत्तर-पूर्व दिशा में हो। साथ ही, घर गेट के सामने किसी अन्य व्यक्ति की सीढ़ी या गेट न बना हो। ऐसा करने से वास्तु दोष लग सकता है।

मुख्य द्वार को सजाएं

घर का मुख्य द्वार सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। गृह प्रवेश से पहले दरवाजे पर आम या अशोक के पत्तों का तोरण लगाएं। रंगोली बनाएं और दीपक जलाएं। इससे घर में सुख-समृद्धि का आगमन माना जाता है।

सबसे पहले करें गणेश और कलश स्थापना

नए घर में प्रवेश करते समय भगवान गणेश की पूजा करना अत्यंत शुभ माना जाता है। साथ ही घर में तांबे या मिट्टी के कलश में जल भरकर नारियल और आम के पत्ते रखकर स्थापना करें। इससे घर में शांति और समृद्धि बनी रहती है।

रसोई में जरूर बनाएं मीठा

वास्तु शास्त्र के अनुसार नए घर में पहली बार रसोई का उपयोग करते समय मीठा जरूर बनाना चाहिए। खीर या हलवा बनाना शुभ माना जाता है। इससे परिवार के रिश्तों में मिठास बनी रहती है।

घर में करें हवन और मंत्रोच्चार

गृह प्रवेश के समय हवन और मंत्रोच्चार कराने से घर का वातावरण शुद्ध होता है। माना जाता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

निर्जला एकादशी व्रत है बेहद कष्टकारी... महर्षि वेदव्यास ने भीम को दिया था व्रत रखने का आदेश

हर साल ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि के दिन निर्जला एकादशी का व्रत रखा जाता है. इस साल निर्जला एकादशी का व्रत 25 जून को रखा जाने वाला है. ये व्रत सभी एकादशी के व्रतों में सबसे कठिन माना जाता है, क्योंकि इसमें जल तक ग्रहण नहीं किया जाता है. यही कारण है कि इसको सर्वोत्तम फल देने वाला एकादशी व्रत माना जाता है. धार्मिक मान्यता है कि निर्जला एकादशी का व्रत रखने और भगवान विष्णु का पूजन करने से सभी एकादशी व्रतों का फल प्राप्त हो जाता है.

निर्जला एकादशी को भीमसेनी एकादशी भी कहा जाता है. ऐसा इसलिए क्योंकि पांडु पुत्र भीम ने महर्षि वेदव्यास के कहने पर निर्जला एकादशी का व्रत रखा था. इस व्रत महत्व वेदव्यास जी ने बताया है. आइए निर्जला एकादशी की कथा जानते हैं.

निर्जला एकादशी की कथा – पौराणिक कथा के अनुसार, पांडवों में भीमसेन अधिक शक्तिशाली थे. उनको भोजन करने का बहुत शौक था. वो भूख नहीं सहन कर पाते थे. इसलिए वह कभी एकादशी व्रत नहीं रख पाते थे. भीम के अलावा सभी पांडव और द्रौपदी साल की 24 एकादशी का व्रत सच्चे मन से रखते थे. एक बार भीम की इस कमजोरी ने उनको परेशान कर दिया. भीम सोचने लगे कि वो एकादशी व्रत न रखकर श्रीहरि विष्णु का अपमान कर रहे हैं. इसके समाधान के लिए भीम महर्षि व्यास के पास पहुंचे. महर्षि ने भीम की बात सुनकर उनको एक उपाय बताया. वेदव्यास जी ने कहा कि भीम तुमको हर मास में एकादशी का व्रत रखने की कोई आवश्यकता नहीं है. इसके बजाय, तुम ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष में आने वाली निर्जला एकादशी का व्रत रखो. इस दिन जल का त्याग करने से तुमको साल भर की सभी 24 एकादशियों का पुण्य और मोक्ष प्राप्त हो सकेगा.

महर्षि वेदव्यास की बात सुनकर भीमसेन ने ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी व्रत का पूरी निष्ठा से पालन किया. इसी कारण इस व्रत को भीमसेनी एकादशी कहा जाता है. इस व्रत को तपस्या के समान माना जाता है. मान्यता है कि जो श्रद्धालु सच्चे मन से इस व्रत का पालन करते हैं, उनके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और उन्हें मृत्यु के बाद बैकुंठ धाम में स्थान प्राप्त होता है.